हिन्दी सान्ध्य दैनिक जौनपुर,लखनऊ व भदोही से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live

वर्ष : 01 अंक–178 : जौनपुर, शुक्रवार 17 मार्च 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

संविदाकर्मियों ने काम बंद किया तो जाएगी नौकरी –ऊर्जा मंत्री

लखनऊ ब्यूरो : ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के साथ कई दौर की बातचीत बेनतीजा रही। विद्युत कर्मचारी संघर्ष समिति से जुड़े कर्मचारी रात 10 बजे से हड़ताल पर चले गए हैं। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने हड़ताल पर जाने वाले कर्मचारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और काम पर डटे कर्मियों से अभद्रता करने वालों के खिलाफ एस्मा के तहत कार्रवाई होगी। संविदाकर्मी एवं आउटसोर्सिंग कर्मी हड़ताल पर गए तो तत्काल उनकी सेवा समाप्त की जाएगी। उन्होंने बताया कि एनटीपीसी सहित अन्य उपक्रमों एवं विभिन्न मैन पावर एजेंसियों में तकनीकी कर्मचारियों को रिजर्व रखा गया है। सभी निगमों को रिजर्व कर्मियों की सूची दी गई है। जहां जरूरत पड़ेगी बुलाया जाएगा। उन्होंने हड़ताल से निपटने के पुख्ता इंतजाम होने का दावा किया है। विभिन्न मांगों को लेकर विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति से जुड़े कर्मचारियों ने रात 10 बजे से हड़ताल शुरू कर दिया है। इस बीच समिति से जुड़े कुछ नेता भूमिगत हो गए हैं। गुरुवार को ऊर्जा मंत्री एके शर्मा से समिति के प्रतिनिधिमंडल की वार्ता हुई, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। इसके बाद समिति के पदाधिकारियों की डालीबाग स्थित फील्ड हॉस्टल में सभा हुई। इसमें एलान किया गया कि उत्तर प्रदेश के बिजलीकर्मियों की हड़ताल के समर्थन में देशभर के 27 लाख बिजलीकर्मी सड़कों पर उतरने के लिए तैयार हैं। बिजली कर्मियों को गिरफ्तार किया गया तो अनिश्चितकालीन हड़ताल के साथ जेल भरो आंदोलन शुरू होगा। नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रीसिटी इम्प्लॉइज एंड इंजीनियर्स(एनसीसीओईईई) के राष्ट्रीय संयोजक प्रशांत चौधरी ने कहा कि यह लड़ाई सिर्फ उत्तर प्रदेश की न होकर अब पूरे देश की हो गई है। पॉवर इंजीनियर्स फेडरेशन के सेक्रेटरी जनरल पी. रत्नाकर राव, ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ पावर डिप्लोमा इंजीनियर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरके त्रिवेदी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि शांतिपूर्ण ढंग से चलने वाली हड़ताल में बिजलीकर्मियों का किसी भी प्रकार से उत्पीड़न किया गया तो पूरे देश में उग्र आंदोलन शुरू होगा। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे ने बताया कि वार्ता के दौरान ऊर्जा मंत्री कमेटी बनाने की बात कह रहे थे, लेकिन अब कमेटी का कोई मतलब नहीं है। हड़ताल पर जाते ही खत्म होगी नौकरी– एके शर्मा ऊर्जा मंत्री के शर्मा ने कहा कि हड़ताल पर जाने वाले संविदाकर्मियों की तत्काल

नौकरी खत्म की जाएगी। संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और काम करने वालों को रोकने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होगी। पूरे प्रदेश में एस्मा लागू है। ऐसे में जनता को किसी भी स्तर पर तकलीफ पहुंचाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। सभी जिलाधिकारियों एवं पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया जा चुका है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी को असुविधा हो तो तत्काल कंट्रोल रूम को सूचना दें। सभी जगह आपात स्थिति से निपटने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि मार्च माह अहम है। इसलिए हड़ताल खत्म करने की अपील है। बातचीत के लिए तैयार हैं। कुछ हठधर्मी बात सुनने को तैयार नहीं हैं। वे आंदोलन बढ़ने की बात के रहे हैं। कई संगठनों ने हमारी बात को समझा और जनहित में अलग रहने का फैसला लिया है। इसमें यूपी पावर आफिसर्स एसोसिएशन ने राष्ट्रभक्ति दिखाई है। उनके साथ लेखा कर्मचारी संघ, तकनीकी संघ सहित तमाम संगठनों ने हड़ताल से खुद को अलग करते हुए जनहित में दो घंटे अतिरिक्त काम करने का फैसला लिया है। आफिसर एसोसिएशन सरकार के साथ हड़ताल से अलग रहने वाले उत्तर प्रदेश पावर ऑफिसर एसोसिएशन ने मोर्चा संभाल लिया है। एसोसिएशन के साथ कई अन्य संगठन भी आ गए हैं। गुरुवार को एसोसिएशन केंद्रीय कमेटी की बैठक में फैसला लिया गया कि जिस तरह से दो दिन से चल रहे कार्य बहिष्कार की तरह ही रात 10 बजे से होने वाली हड़ताल में भी पूरी तत्परता से कार्य किया जाएगा। जनता को किसी तरह की समस्या नहीं होने दी जाएगी। उन अभियंता अधिकारियों को विशेष तौर से जिम्मेदारी दी गई है जो फील्ड में न कार्यरत होकर अटैच पद पर कार्य कर रहे हैं, क्योंकि वह बिजली ब्रेकडाउन सहित अन्य ब्रेक डाउन के लिए दक्ष हैं। उत्तर प्रदेश पावर ऑफिसर एसोसिएशन के कार्यवाहक अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा, एसपी सिंह, पीएम प्रभाकर, अनिल कुमार, आरपी केन, अजय कुमार, राजेश कुमार, राम बरन आदि बैठक में मौजूद रहे।

विद्युत कर्मचारी पांचवे दिन भी पूर्णतः हड़ताल पर : विद्युत आपूर्ति रही बाधित उपभोक्ता परेशान

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले समस्त कर्मचारी, जूनियर इंजीनियर, सहायक अभियन्ता, अधिशासी अभियन्ता एवं निविदा कर्मी पांचवे दिन पूर्णतः हड़ताल पर चले गये है। लगातार पांचवे दिन 132 के0वी0 अधीक्षण अभियन्ता कार्यालय जौनपुर के परिसर में प्रातः 10:00 बजे से 05:00 बजे तक ई0 धर्मेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में कार्य बहिष्कार हुआ, जिसमें जनपद–जौनपुर के ऊर्जा क्षेत्र के सभी कर्मचारी, जूनियर इंजीनियर, सहायक अभियन्ता, अधिशासी अभियन्ता एवं निविदा कर्मियों ने भारी संख्या में भाग लिया। ऊर्जा मंत्री एवं प्रबन्धन की हठवादिता के कारण विद्युत कर्मचारियों में व्यापक रोष व्याप्त है।सभा को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष निखिलेश सिंह कहा कि ऊर्जा प्रबन्धन का अड़ियल रवैया तथा कर्मचारी विरोधी होने के कारण समस्त कर्मचारी भयमुक्त होकर जनहित में कार्य नहीं कर पा रहे है, हमारी लड़ाई विद्युत विभाग को निजी हाथों में बेचने से बचाने एवं जनता को सस्ता बिजली दिलाने की है। सभा में ई0 पकंज जायसवाल, अनिल पटेल, गौरव सिंह, हरिकेष सिंह, विपुल सिंह, जितेन्द, चंचल तिवारी, कमलेश आदि ने अपने विचार व्यक्त किये तथा कहा गया कि सरकार कर्मचारी की मांग नहीं सुन रहीं है तथा कारपोरेशन के चेयरमैन अपनी हठवादिता के कारण कर्मचारियों का निरन्तर शोषण कर रहे है, जो अब स्वीकार्य नहीं है। वक्ताओं द्वारा यह भी कहा गया कि प्रबन्धन अब चाहे कितना भी हमें

प्रताड़ित करें हमे गिरफ्तार करें या दमन करें हम कर्मचारी जनहित में अब नहीं झुकेंगे और यह आन्दोलन तब तक चलेगा जब तक हमारी मांगे मान नहीं ली जाती है। सभा में ई0 अशोक कुमार सिंह, ई0 धर्मेन्द्र मौर्या, ई0 अनीश कुमार यादव, ई0 संजय लाल प्रजापति, ई0 आतिश यादव, ई0 गुलाब चन्द राम, श्री श्री संजय यादव, अश्वनी श्रीवास्तव, विश्राम मौर्या निधि श्रीवास्तव, संतोष श्रीवास्तव, जितेन्द्र, संजय लाल प्रजापति, अमित खरे, सागर श्रीवास्वत, प्रभात पाण्डेय, संजय श्रीवास्तव, रविन्द्र सिंह, कामता यादव, गिरीश यादव, अरविन्द मिश्रा, कमलाकान्त मिश्रा, लक्ष्मीकांत विश्वकर्मा, विजय चौहान, विजय यादव प्रीतम श्रीवास्तव संतराम एवं भारी संख्या में अधिकारी/कर्मचारी एवं निविदाकर्मी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन बिजली कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक निखिलेश सिंह द्वारा किया गया।

गोरखपुर के दक्षिणांचल में विद्युत सप्लाई ठप : ऊर्जा मंत्री के कड़े तेवर का नही है कोई असर

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : गोरखपुर जनपद में विद्युत कर्मियों की हड़ताल से धुरियापार, गोला उपनगर स्थित ग्रामीण व तहसील विद्युत उपकेंद्र की सप्लाई बृहस्पतिवार की रात 10 बजे से ही पूरी तरह ठप है जबकि सरकार के तरफ से आदेश है कि विद्युत की कटौती को देखते हुए बाधा उत्पन्न करने वाले विद्युत कर्मचारियों के विरुद्ध एस्मा की कार्रवाई की जाएगी। धुरियापार, गोला ग्रामीण व तहसील विद्युत उपकेंद्र पर सब स्टेशन आपरेटर के अलावा कोई भी कर्मचारी मौजूद नही है। एस्मा कानून से संबंधित महत्त्वपूर्ण बिंदु चर्चा में क्यों हाल ही में यूपी सरकार ने हड़ताल पर बैठे विद्युत कर्मचारियों पर एस्मा यानी एसेंशियल सर्विसेज मैनेजमेंट एक्ट (मेमदजपंस `मतअपबमे उंदंहमउमदज `बज) जिसे हिंदी में 'अत्यावश्यक सेवा अनुरक्षण कानून' कहा जाता है, लगा दिया है। जब कभी भी कर्मचारी हड़ताल पर बैठते हैं तो एस्मा भी चर्चा में आ जाता है। क्या है एस्मा आवश्घ्यक सेवा अनुरक्षण कानून (एस्घ्मा) हड़ताल को रोकने के लिये लगाया जाता है। विदित हो कि एस्घ्मा लागू करने से पहले इससे प्रभावित होने वाले कर्मचारियों को किसी समाचार पत्र या अन्घ्य दूसरे माध्घ्यम से सूचित किया जाता है। एस्घ्मा अधिकतम छह महीने के लिये लगाया जा सकता है और इसके लागू होने के बाद अगर कोई कर्मचारी हड़ताल पर जाता है तो वह अवैधघ्और दण्घ्डनीय है। सरकारें क्यों लगाती हैं एस्मा सरकारें एस्मा लगाने का फैसला इसलिये करती हैं क्योंकि हड़ताल की वजह से लोगों के लिये आवश्यक सेवाओं पर बुरा असर पड़ने की आशंका होती है। जबकि आवश्घ्यक सेवा अनुरक्षण कानून यानी एस्मा वह कानून है, जो अनिवार्य सेवाओं को बनाए रखने के लिये लागू किया जाता है। इसके तहत जिस सेवा पर एस्मा लगाया जाता है, उससे संबंधित कर्मचारी हड़ताल नहीं कर सकते, अन्यथा हड़तालियों को छह माह तक की कैद या ढाई सौ रु. दंड अथवा दोनों हो सकते हैं।

सम्मान के साथ खरीदारी हेतु बापू बाजार –प्रो. निर्मला एस. मौर्य

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर इकाई राष्ट्रीय सेवा योजना, विशेष शिविर के समापन अवसर पर शुक्रवार को विश्वविद्यालय परिसर में बापू बाजार का आयोजन किया गया। बापू बाजार में आसपास से आए ग्रामीणों की काफी भीड़ थी। ग्रामीण कपड़े और अन्य सामग्री खरीदकर काफी खुश थे। कुलपति ने भी बापू बाजार के स्टाल से कपड़े और साड़ी खरीदकर ग्रामीण महिलाओं और बच्चों को भेंट की। गांव वालों ने खाने– पीने के सामान का भी लुफ्त उठाया। सभी सामान दो, तीन और पांच रुपये में लोगों को उपलब्ध कराया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन डॉ विनय वर्मा ने किया। इस अवसर पर बापू बाजार का उद्घाटन करतीं हुई विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि ग्रामीणों को सम्मान के साथ खरीदारी करने के लिए यह आयोजन किया गया है। उनके सम्मान को ख्याल के लिए दो, तीन और पांच रुपये की टोकन मनी रखी गई है, ताकि कोई यह न कहें कि निःशुल्क लेकर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी स्वदेशी अपनाने पर बल देते थे। उनकी सोच लोगों को स्वावलंबी बनाने की थी। उनके सिद्धांतों की प्रेरणा से अभिभूत होकर विश्वविद्यालय ने अपने सामाजिक दायित्व के तहत बापू बाजार का आयोजन किया है। खिलौने और कपड़े पाकर गांव के बच्चों में जो खुशी दिखाई दे रही है, इससे मेरा दिल प्रसन्न हो गया। वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि बापू बाजार कार्यक्रम के तहत आसपास के ग्रामीण अंचलों के लोगों को सम्मान और आर्थिक लाभ

पहुंचाने की कोशिश पूर्वांचल विश्वविद्यालय कर रहा है। इसी के तहत हम गांव– गांव में विश्वविद्यालय बापू बाजार का आयोजन कर रहा है। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ राज बहादुर यादव ने कहा कि गांव में बापू बाजार की लोकप्रियता बढ़ रही है कई ग्राम प्रधानों ने मुझे अपने गांव में बापू बाजार लगाने के लिए अनुरोध किया है। बापू बाजार के स्टाल पर साड़ी, पैंट, शर्ट, टीशर्ट, जींस पैंट, कैजुएल पैंट, स्वेटर, साल, कोट, जैकेट, टोपी, मफलर, पैजामा कुर्ता जैसे सामान्य और ऊनी कपड़े और स्कूली बैग और खिलौने इत्यादि उपलब्ध थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ विनय वर्मा और धन्यवाद ज्ञापन डॉ शशिकांत यादव ने किया। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, सहायक कुलसचिव अमृतलाल, बबीता सिंह, अजीत सिंह, प्रो.वंदना राय, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो देवराज सिंह, डॉ मनोज मिश्र, डॉ जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ रसिकेश, डॉ सुनील कुमार, डॉ अनु त्यागी, डॉ श्याम कन्हैया, डा. अजय मौर्य, डा. विशाल यादव, डॉ लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, डॉ पीके कौशिक, सुशील प्रजापति समेत कई महाविद्यालय के प्राचार्य और शिक्षक शामिल थे।

पासपोर्ट सत्यापन के नाम पर रुपये लिए तो जाएंगे जेल : शिकायत करने वाले का नाम रहेगा गोपनीय

गोरखपुर ब्यूरो : पासपोर्ट ऑफिस से पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होने के बाद भी पुलिस सत्यापन के नाम पर वसूली कर लेती है। ऐसे पुलिसकर्मी अब जेल जाएंगे। आईजी जे रविंद्र ने इसे गंभीरता से लेते हुए रेंज के सभी जिले (गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया व महराजगंज) के एसपी को पत्र लिखकर निर्देशित किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि पुलिस किसी को सत्यापन के लिए थाने नहीं बुलाएगी। यह जिम्मेदारी थाने पर मुंशी के पास भी नहीं होगी। बीट सिपाही अपने इलाके में घर जाकर सत्यापन कर रिपोर्ट लगाएंगे। अगर कहीं पर भी वसूली की शिकायत आई तो केस दर्ज कर आरोपी पुलिसकर्मी को जेल भी भेजा जाएगा। शिकायत के लिए आईजी ने सीयूजी नंबर 9454400209 भी जारी किया है। अगर रुपये मांगे जाते हैं तो सीधे मैसेज भेजकर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। शिकायत करने वाले का नाम भी गोपनीय रखा जाएगा। जानकारी के मुताबिक, अभी संतकबीरनगर में आपराधिक मुकदमे के आरोपी का भी वसूली कर पासपोर्ट जारी करने का मामला सामने आया है। पता चला कि ऑनलाइन व्यवस्था के बाद भी वसूली के चक्कर में पुलिस ने थाने बुलाकर रुपये

वसूले और फिर उसे पासपोर्ट जारी करने के लिए रिपोर्ट लगा दी गई, जिसे नहीं देना था। उस पर मुकदमे हैं। मामले में एक दीवान समेत दो लोगों को जेल भी भेजा गया है। इसी वजह से आईजी ने रेंज के सभी जिले में पहले ही आदेश जारी कर हिदायत दे दी है कि पासपोर्ट का सत्यापन घर जाकर किया जाए। आईजी गोरखपुर रेंज जे.रविंद्र ने कहा कि पासपोर्ट, चरित्र सत्यापन आदि के लिए थाने बुलाने की कोई जरूरत नहीं है। सभी एसपी को निर्देशित किया गया है कि वह जिले के थाना पुलिस को बता दें। बीट सिपाही सीधे घर जाकर सत्यापन करें। अगर कहीं भी रुपये लेने की शिकायत आई तो केस दर्ज कर आरोपी पुलिसकर्मी को जेल भेजा जाएगा।

पाठक बन्धुओं से अनुरोध

आप सभी से अनुरोध है कि ऑनलाइन समाचार पत्र पढ़नें हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट **www.Desh ki upasana.com** का अधिक अधिक उपयोग करें–तथा हमारें यू–ट्यूब चैनल / पोर्टल - **dku live** सत्य एवं प्रमाणिक खबरों के लिए Like&Subscribe जरूर कीजिए।

–संपादक

समस्त देयकों का निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार विलम्बतम् 25 मार्च 2023 तक प्रस्तुत करें बिल

जौनपुर सू.वि. : जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने अवगत कराया है कि शासनादेश के अनुसार वित्तीय वर्ष 2022–23 में देयकों के प्रस्तुतीकरण हेतु सभी आहरण वितरण अधिकारियो द्वारा कोषागार में समस्त देयक निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार विलम्बतम् 25 मार्च 2023 तक अवश्य प्रस्तुत कर दें, जिससे कि प्रस्तुत बिलो की आवश्यक चेंकिग के बाद कोषागार द्वारा बिलों की पासिंग तथा ई–पेमेण्ट के माध्यम से 31 मार्च 2023 तक भुगतान हेतु एथराईजेशन किया जा सके। क्योंकि 31 मार्च 2023 तक पारित बिलों का भुगतान ई–पेमेण्ट द्वारा 31 मार्च 2023 को ही निर्धारित समय अवधि में किया जायेगा। 25 मार्च 2023 के उपरान्त केवल उक्त तिथि के बाद शासन स्तर से निर्गत वित्तीय स्वीकृतियों के सापेक्ष ही देयक स्वीकार किये जायेगें अथवा तत्समय शासन स्तर से निर्गत अद्यावधिक निर्देश के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी। शासनादेश दिनांक 10 मार्च 2023 का अनुपालन न करने तथा सामयिक आहरण के अभाव में किसी धनराशि के व्यपगत हो जाने पर सम्बन्धित अधिकारी उत्तरादायी होगें। अतः निर्देशित किया जाता है कि उपलब्ध बजट के मिलान व बिलों के प्रस्तुतीकरण का कार्य अनिवार्य रूप से समय से पूर्व करा लें, जिससे किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

कल्याणी जन सेवा समिति'' द्वारा प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : ''कल्याणी जन सेवा समिति'' सैदनपुर के द्वारा प्राथमिक विद्यालय फूलपुर के छात्रों की एक प्रतियोगिता परीक्षा करायी गयी । प्रतियोगिता में प्रथम,द्वितीय

व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को प्रबन्धक श्रीमती जयमाला ''प्रखर'' ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले सभी छात्र छात्राओं को सांत्वना पुरस्कार के रूप में कापी, पेन,पेन्सिल आदि शिक्षण सामग्री वितरित किया गया ।पुरस्कार पाकर छात्र, छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे ।विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री अनिल प्रताप यादव ने समिति के इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से छात्रों में उत्साह एवं प्रतियोगिता की भावना का विकास होता है। उपाध्यक्ष विनय कुमार गुप्ता ने कहा कि छात्रों को पुरस्कृत करना उन्हें जीवन में आगे बढ़ने का अवसर देता है ।उक्त का आयोजन राजकुमार सेठ तुषार ज्वेलर्स के सौजन्य से किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापक अकील रहमान, अध्यापिका किरण बाला, निधि मौर्या, वंदना पाठक, पूनम सिंह, आदि लोग उपस्थित रहे।

19 मार्च 2023 को रोजगार एवं ऋण मेला का होगा आयोजन

जौनपुर सूवि. : जिला सेवायोजन अधिकारी ने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में 'मिशन रोजगार' के अन्तर्गत विधानसभा क्षेत्र शाहंगज में 19 मार्च 2023 को प्रातः 10:00 जिला सेवायोजन कार्यालय एवं कौशल विकास मिशन के संयुक्त तत्वाधान में रोजगार का आयोजन रामलीला मैदान तहसील शाहगंज, जौनपुर में किया गया है। जिसमें निजी क्षेत्र की 12 से अधिक कम्पनियों द्वारा 1000 से अधिक योग्यतानुसार पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से भर्ती की जायेंगी। जिला सेवायोजन अधिकारी राजीव कुमार सिंह एवं सहायक सेवायोजन अधिकारी शशिकांत सरोज ने बताया कि रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति आई0डी प्रूफ सहित प्रतिभाग कर सकते, एवं वेब पोर्टल– www.sewayojan.up.nic.in के माध्यम से भी जनपद के अभ्यर्थियों को अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की है।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

अगर चाहते हो कि खुदा मिले, तो वही करो जिससे दुआ मिले।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

सूरत–ए–हाल : पाकिस्तान के लिए आपदा साबित हुए इमरान

हाल ही में सऊदी अरब और ईरान के बीच हुए समझौते का व्यापक रूप से स्वागत किया गया है। लेकिन दुनिया की नजर पाकिस्तान पर है, जहां पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थकों और पुलिस के बीच संघर्ष की वजह से लाहौर युद्ध क्षेत्र में तब्दील होता नजर आ रहा है।

अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स में मैंने एक लेख का शीर्षक देखा, जिसमें लिखा था–हमें अमेरिका–मैक्सिको सीमा पर संकट का हल ढूंढ़ने की उम्मीद छोड़ देनी चाहिए, और अचानक मैंने सोचा, क्या होगा अगर यहां अमेरिका और मैक्सिको की जगह भारत और पाकिस्तान को रख दिया जाए। क्या हमें भी दोनों देशों के बीच इस 'युद्ध नहीं' वाले परिदृश्य को नया नियम मानकर स्वीकार कर लेना चाहिए और उस संकट को हल करने की दिशा में काम नहीं करना चाहिए, जिसका हम दशकों से सामना कर रहे हैं? खैर, इस विषय पर फिर कभी लिखूंगी, लेकिन पाकिस्तान में हर कोई (आम जनता, जो भारत–पाकिस्तान रिश्तों पर नजर रखती है और सरकार में शामिल लोग भी) इस बात से हैरान है कि क्यों मोदी सरकार इस साल की अब तक की सबसे बड़ी राजनीतिक खबर की अनदेखी कर रही है, जो सऊदी अरब और ईरान के बीच राजनयिक संबंधों को फिर से शुरू करने के लिए हालिया समझौतों से संबंधित है।

यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि भारत के सऊदी अरब और ईरान, दोनों के साथ बहुत अच्छे द्विपक्षीय रिश्ते हैं। मैंने इस विषय पर भारतीय मीडिया में प्रकाशित कुछ संपादकीय देखे, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से नई दिल्ली द्वारा स्वागत या निंदा से संबंधित कोई टिप्पणी नहीं थी। पाकिस्तान ने चीन की मध्यस्थता में हुए इस समझौते का स्वागत किया है, क्योंकि सऊदी अरब और ईरान के बीच जारी तनाव पाकिस्तान की धरती पर शिया और सुन्नी के बीच संघर्ष में दिखा, जहां ये दोनों देश अलग–अलग गुटों का समर्थन कर एक तीसरे देश की धरती पर लड़े। शिया समुदाय को बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उन पर चरमपंथियों और यहां तक कि जिहादियों, विशेष रूप से बलूचिस्तान में हजराजात समुदाय द्वारा हमला किया जाता है, जहां सामूहिक हत्याएं हुई हैं।

सऊदी अरब और ईरान के बीच शांति और बेहतर द्विपक्षीय संबंधों का असर तुरंत पाकिस्तान पर दिखेगा, जहां उम्मीद की जाती है कि पाकिस्तानी समूहों द्वारा एक–दूसरे के खिलाफ हमले बंद हो जाएंगे। लेकिन अमर उजाला के पाठकों को पिछले दो दिनों से पाकिस्तान में हो रहे घटनाक्रम में ज्यादा दिलचस्पी होगी, जहां पड़ोसी मुल्क की प्रांतीय राजधानी लाहौर के पॉश और सुरुचिपूर्ण इलाके में युद्ध जैसा माहौल दिखता है, जहां से कुछ बहुत ही बदसूरत दृश्य सामने आ रहे हैं। इस बीच, बाकी लाहौर हमेशा की तरह शांत और सामान्य है, यहां तक कि पाकिस्तान सुपर लीग क्रिकेट मैच भी लाहौर के किसी अन्य हिस्से में बड़ी भीड़ खींच रहा है।

लाहौर के जमान पार्क इलाके में तहरीक–ए इंसाफ पार्टी के नेता इमरान खान का घर है, जो कई दशक पहले उन्हें अपने भाई–बहनों के साथ पिता से विरासत में मिला था। यह उच्च मध्यवर्गीय पंजाबी परिवार का बहुत ही सामान्य घर था। लेकिन जब इमरान खान मुल्क के प्रधानमंत्री बने, तो उनकी तीसरी बीवी बेगम बुशरा ने घर के भीतरी और बाहरी हिस्से में इतनी मरम्मत कराई कि कोई सोच भी नहीं सकता कि यह वही पुराना मामूली बंगला है। अब इसका डिजाइन ज्यादा आलीशान है और भीतरी कमरे शाही महल जैसे दिखते हैं। निस्संदेह उन पर बड़ी रकम खर्च की गई है। इन दिनों यह इलाका इसलिए युद्ध क्षेत्र बना हुआ है, क्योंकि इमरान खान ने कानून के आगे झुकने से इनकार कर दिया है। उन्हें पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट, इस्लामाबाद हाईकोर्ट और लाहौर हाईकोर्ट द्वारा तलब किया गया है, लेकिन वह बहाना बनाते हैं और अदालत की कार्यवाही में शामिल नहीं होते हैं।

आखिरकार अदालतों को इस्लामाबाद पुलिस को गिरफ्तारी वारंट के साथ भेजना पड़ा, लेकिन इमरान खान इसके लिए पूरी तरह से तैयार थे। उन्होंने और पीटीआई के अन्य नेताओं ने सोशल मीडिया पर लोगों का आह्वान किया और देखते ही देखते डंडों, लाठियों, गुलेल और पत्थरों से लैस हजारों समर्थक पुलिस को इमरान खान को गिरफ्तार करने से रोकने के लिए उनके घर के बाहर इकट्ठा हो गए। मैंने जिस तरह से इन समर्थकों को पुलिस और रेंजरों के साथ संघर्ष करते हुए देखा, यह साफ था कि ये सामान्य समर्थक नहीं थे, बल्कि वे लोग थे, जो गुरिल्ला युद्ध में अच्छी तरह से प्रशिक्षित थे। वे नकाबपोश थे और उन्होंने पुलिस के ऊपर आंसू गैस के गोले छोड़े। उनके पास पेट्रोल बम थे और उन्होंने सरकारी एवं निजी वाहनों को नष्ट कर दिया। यहां तक कि जिन वाहनों में पुलिस और रेंजर्स बैठे थे, उन्होंने उस पर भी पेट्रोल बम फेंके, जिसके चलते उन्हें अपनी सुरक्षा के लिए भागना पड़ा। गनीमत रही कि भीड़ को तितर–बितर करने के लिए किसी तरह की हवाई फायरिंग नहीं हुई।

वास्तव में राज्य पुलिस तंत्र की पूरी ताकत का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा था। अब पता चला है कि गिलगिट–बाल्टिस्तान की पुलिस इमरान खान के समर्थकों के साथ मिलकर सरकार के खिलाफ लड़ने के लिए अवैध रूप से लाहौर आई थी। गिलगिट–बाल्टिस्तान पुलिस प्रमुख का तबादला कर दिया गया है और अब जांच से ही पता चलेगा कि ऐसा खतरनाक कदम उठाया गया या नहीं तथा उठाया गया, तो क्यों।

मगर जो सबसे जरूरी सवाल है, वह कोई नहीं पूछ रहा कि आखिर किन वजहों से इमरान खान अपने समर्थकों को मानव ढाल की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि वह खुद छिपे हुए हैं और अन्य नेताओं की तरह अदालतों का सामना नहीं कर रहे हैं। इसका जवाब पूर्व सेना प्रमुख जनरल बाजवा के उस विफल प्रयोग में निहित है, जिसके तहत उन्होंने पिछले आम चुनाव में धांधली करके और इमरान खान को केंद्र में लाकर उनकी गठबंधन सरकार बनवाई थी।

इमरान खान पाकिस्तान के लिए आपदा साबित हुए, क्योंकि उन्होंने दुनिया के महत्वपूर्ण देशों के साथ तनाव बढ़ाया और पाकिस्तान का शासन करने में असमर्थ रहे। उन्होंने ऋण की शर्तें स्वीकार करने के बाद अपने वादे से मुकर कर आईएमएफ के साथ भी संबंध खराब कर लिए। यही वजह है कि आईएमएफ और नई सरकार के बीच भरोसे की कमी है। सवाल है कि क्या सेना अपनी गलतियों से कुछ सीखेगी और जैसा कि वादा किया था, राजनीति से दूर रहेगी। जैसा कि राजनीतिक विश्लेषक अब्बास नासिर कहते हैं, 'यदि हर कोई यह स्वीकार कर लेता है कि हम अराजकता की ओर बढ़ रहे हैं और यथास्थिति कायम नहीं रह सकती है, तो हमें उन सभी बाधाओं को स्वीकार करना चाहिए, जो हमें प्रभावित करती हैं। यदि सेना को यह याद दिलाया जाता है कि वह हममें से बाकी लोगों से अलग नहीं है, तो वह इस रवैये को छोड़कर अपने भीतर की सड़ांध को खत्म कर सकती है।'

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

खाटू श्याम बाबा का सजा दरबार : भजनों पर जमकर झूमे श्रद्धालु

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : नगर शाहाबाद के मोहल्ला दिलेरगंज में निकाली विशाल निशान यात्रा, यात्रा की शुरुआत गायत्री मंदिर से होकर मोहल्ला चौक, हरदोई चुंगी व मेन मार्केट से नव दुर्गा पंडाल तक निकाली गई। जिसके बाद नवदुर्गा पंडाल में श्री खाटू श्याम भगवान का द्वितीय भव्य कीर्तन का आयोजन हुआ। इसमें कश्यप ब्रदर्स म्यूजिसियन ग्रुप कानपुर व जयपुर से आये कलाकारों ने सर्वप्रथम बाबा जी श्रृंगार पूजन किया और छप्पन प्रकार की प्रसादी का भोग लगाया। कस्बे सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों की तादाद आये भक्त झूम झूम कर नाचे और गगनचुम्बी जयकारे लगाये और भक्त खाटू श्याम की भक्ति में लीन हो गये। गायिका साक्षी अग्रवाल, गायक सैंकी विशाल राज गायिका स्मृति मिश्रा, गायक विकास शर्मा और नन्हे मुन्ने देव गुप्ता ने भजनों के माध्यम से बाबा का गुणगान किया श्रद्धालु भक्ति रस मे सराबोर होकर खूब झूमे। कीर्तन की शुरुआत शाहजहांपुर से विशाल राज और जयपुर से आई भजन गायिका साक्षी अग्रवाल ने गणेश वंदना से की। और उसके बाद उन्होंने कीर्तन को आगे बढाते हुए हारे का सहारा खाटू श्याम हमारा, मोर छड़ी का जादू निराला जैसे

हमारा श्याम निराला जैसे भजन सुनाएं जिस पर भक्त झूमने लगे। कानपुर के सैंकी ने तेरी रहमतों का दरिया सरेआम चल रहा है, कितने सेठ जहां में मौज उड़ाते हैं, थारे खाटू की माटी म्हारे रास आ गई। उन्होंने भजनों से श्याम के दरबार में अरदास लगाई। श्याम प्रेमियों ने ताली बजाकर बाबा को रिझाया। जयपुर की साक्षी अग्रवाल ने बाबा को भाव भरे भजन सुनाकर रिझाया उन्होंने अनेक भाव भरे भजनों से भक्तों को सीधा प्रभु के चरणों से जोड़ दिया। भक्त भाव विभोर हो गये। तथा समापन पर आयोजकों ने महाप्रसादी का प्रसाद सभी भक्तों को वितरित किया। इस कीर्तन में सभी श्याम भक्त मौजूद रहे।

दुर्लभ संयोग : नव संवत्सर में इस बार सावन के आठ सोमवार : 19 वर्ष बाद बन रहा संयोग

प्रयागराज ब्यूरो : इस बार का नव संवत्सर कुछ खास है। अमूमन सावन मास में चार या पांच सोमवार ही आते हैं, लेकिन 22 मार्च से शुरू हो रहे नव संवत्सर 2080 में सावन के इस बार आठ सोमवार होंगे। ज्योतिषी भी इसे दुर्लभ संयोग मान रहे हैं। कुल मिलाकर सावन 59 दिनों का होगा। इतना ही नहीं नया विक्रम संवत 2080 इस बार 12 की जगह 13 माह का होगा। हिंदू नववर्ष अर्थात नव संवत्सर का प्रारंभ चैत्र माह के शुक्लपक्ष की प्रतिपदा से होता है। चैत्र मास हिंदू कैलेंडर का प्रथम माह भी होता है। इस वर्ष नव संवत्सर (विक्रम संवत 2080) बुधवार 22 मार्च, 2023 से प्रारंभ हो रहा है। ज्योतिषाचार्य डॉ. अमिताभ गौड़ बताते हैं कि इस वर्ष राजा बुध एवं शुक्र मंत्री होंगे। हिंदू नववर्ष की शुरुआत बेहद शुभ योग, शुक्ल योग एवं ब्रह्म योग में हो रही है। इन योगों में किये गए कार्यों में विशेष सफलता प्राप्त होती है। हिंदू कैलेंडर में अमूमन 12 माह ही होते हैं, लेकिन वर्ष 2023 इस मामले में विशेष है। इस वर्ष 13 महीने होंगे। खास बात यह है कि नव संवत्सर में भगवान शिव को समर्पित सावन मास दो महीने का होगा। इसमें कुल आठ सोमवार पड़ेंगे। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि सावन 4 जुलाई से शुरू होगा और 17 जुलाई

तक रहेगा। इसके बाद 18 जुलाई से अधिकमास यानी मलमास प्रारंभ हो जाएगा जो 16 अगस्त तक रहेगा। अधिकमास खत्म होने के बाद, 17 अगस्त से पुनः सावन लग जाएगा जो 31 अगस्त तक रहेगा। जिसकी वजह से सावन मास 2023 में लगभग दो महीने का होगा। ज्योतिषाचार्य रितेश मिश्र के अनुसार यह विशेष संयोग 19 वर्षों के बाद बन रहा है। इससे पहले यह संयोग वर्ष 2004 में बना था। ऐसे में शिवभक्तों को इस वर्ष सावन में व्रत के लिए कुल आठ सोमवार मिलेंगे। 31 अगस्त तक सावन होने की वजह से रक्षा बंधन का पर्व भी इस बार 31 अगस्त को ही पड़ेगा। साथ ही चातुर्मास भी इस बार पांच महीने का होगा, जो अमूमन चार माह का रहता है। ऐसे में भगवान विष्णु पांच महीने तक योग निंद्रा में रहेंगे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आलू भण्डारण शुल्क एवं कृषकों की समस्याओं के निराकरण के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न

रिपोर्ट उमाकान्त श्रीवास्तव शाहजहाँपुर : जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता मे कलेक्ट्रेट सभागार में आलू भण्डारण शुल्क एवं कृषकों की समस्याओं के निराकरण के सम्बन्धा में बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी/ अध्यक्ष की अनुमति से जिला उद्यान अधिकारी ने शीतगृह से सम्बन्धित एजेण्डा जैसे भण्डारण शुल्क, कृषकों की भण्डारण से सम्बन्धित समस्यायें एवं माननीय प्रधानमंत्री एवं माननीय मुख्यमंत्री के द्वारा कृषकों के हित में चलाई जा रही प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजनान्तर्गत ऑपरेशन ग्रीन के द्वारा कृषकों , कमीशन एजेण्ट , खाद्य प्रसंस्करण कारोबारकर्ता , एफ०पी०ओ० एवं रजिस्टर्ड व्यापारियों का भण्डारण एवं परिवहन पर प्रति कुण्टल धनराशि रू0 100/– सब्सिडी का प्राविधान रखा गया । जिससे सम्बन्धित जिलाधिकारी के समक्ष बैठक का एजेंडा प्रस्तुत किया गया। जिलाधिकारी ने कोल्ड स्टोरेज स्वामियों , कृषकों से वार्ता कर एवं शासन की मंशा के अनुरूप निर्धारित सामान्य आलू तथा शुगर फ्री आलू के भण्डारण के लिए क्रमशः धनराशि रू0 230/– एवं रू0 260/– भण्डारण शुल्क लिये जाने हेतु निर्देशित किया। कृषकों के हित के लिए जिलाधिकारी के द्वारा शीतगृह स्वामियों एवं जिला उद्यान अधिकारी को निर्देशित किया गया कि ऑपरेशन ग्रीन से सम्बन्धित कृषकों के मध्य गोष्ठियाँ कर तथा शीतगृह स्वामियों के द्वारा अपने शीतगृह पर ऑपरेशन ग्रीन से सम्बन्धित फ्लैक्सी बोर्ड शीतगृह परिसर में लगवाये जाने तथा साथ ही साथ कृषकों को प्रेरित करने हेतु निर्देशित किया गया। शासन के द्वारा जनपद में ऑपरेशन ग्रीन के अन्तर्गत सब्सिडी का लक्ष्य एक हजार कृषकों का रखा गया है। जिसे बढ़ाने हेतु जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी के द्वारा 50 हजार कृषकों का लक्ष्य किये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया है।

बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी श्याम बहादुर सिंह , जिला उद्यान अधिकारी राघवेन्द्र सिंह , सहायक निदेशक विद्युत सुरक्षा सुन्दर लाल , जिला कृषि अधिकारी सतीश चन्द्र पाठक व समस्त प्रबन्धक/स्वामी शीतगृह , प्रमुख आलू कृषक यथा अमरजीत सिंह , सोनू सिंह , मनजिंदर सिंह बिट्टी , संदीप सिंह आदि उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर अवैध असलहा के साथ स्टेटस लगाकर रौब दिखाने वाली शिकायत को संज्ञान में लेकर आरोपी गिरफ्तार

रिपोर्ट उमाकान्त श्रीवास्तव शाहजहाँपुर : पुलिस के आधिकारिक ट्वीटर एकाउण्ट पर एक युवक ने सोशल मीडिया पर अवैध असलहा के साथ स्टेटस लगाकर रौब दिखाने सम्बन्धी शिकायत प्राप्त होने पर सोशल मीडिया मे तैनात पुलिसकर्मियों ने तत्काल शिकायत का संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक को जांच मे युवक जलालाबाद थाना क्षेत्र का होना बताया गया ।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एस आनन्द ने तत्काल अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार वाजपेई (ग्रामीण) के निर्देशन एवं अजय कुमार राय के पर्यवेक्षण में उक्त अभियुक्त के विरूद्ध शीघ्र कार्यवाही करने हेतु प्रभारी निरीक्षक जलालाबाद को कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिये । जिसके चलते प्रभारी निरीक्षक जलालाबाद प्रवीन सोलंकी ने टीम में उप

निरीक्षक सुदीश सिंह , आरक्षी अशोक कुमार के साथ मुखबिर की सूचना पर शुक्रवार को 315 बोर अवैध असलहा मय कारतूसों के साथ युवक कृष्णा गोस्वामी को कस्बे में स्थित काकोरी इण्टर कॉलेज के पास से गिरफ्तार कर लिया । जिसके विरुद्ध आर्म्स एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी को अग्रिम कार्यवाही के लिए न्यायालय भेजा गया है।

नैनी केंद्रीय कारागार में छापा : अतीक का पुत्र अली के बैरक की ली गई तलाशी

प्रयागराज ब्यूरो : केंद्रीय कारागार नैनी में रूटीन चेकिंग के लिए शुक्रवार को एडीएम सिटी मदन कुमार, डीएसपी यमुना नगर संतोष कुमार मीणा, एसीपी करछना अजीत सिंह चौहान ने पहुंचकर तलाशी ली। अधिकारियों ने माफिया अतीक अहमद के पुत्र अली अहमद के बैरक की तलाशी ली। इसके अलावा कुख्यात अपराधी बागपत के अनिल धनपत के बैरक की भी तलाशी ली गई। दो दिन पहले घी के डिब्बे में मोबाइल ले जाते समय एक व्यक्ति को पकड़ा गया था। बताया गय कि वह अनिल धनपत को मोबाइल देने जा रहा था। तलाशी के दौरान अली से अकेले में अधिकारियों ने करीब 15 मिनट तक पूछताछ की। अधिकारियों ने पाकशाला, अस्पताल, हाई सिक्योरिटी सेल, तनहाई बैरक, महिला जेल की जांच पड़ताल की। बंदियों से बातचीत भी की गई। उनको मिल रही सुविधाओं के बारे में भी पूछा गया। करीब दो घंटे तक चले जांच में जेल प्रशासन में हड़कंप मचा रहा। नैनी से पुलिस ने एक संदिग्ध महिला को हिरासत में लिया उमेश पाल हत्याकांड में छानबीन में जुटी पुलिस ने नैनी से एक संदिग्ध महिला को हिरासत में ले लिया है। शुक्रवार को पुलिस ने महिला को पकड़ लिया। उस पर उमेश पाल हत्याकांड में शामिल होने का शक है। एक शूटर के मोबाइल कॉल डिटेल के आधार पर उसको

हिरासत में लिया गया है। बताया जा रहा है कि हत्याकांड से पहले महिला लगातार शूटर के संपर्क में थी। पुलिस काफी दिनों से उसकी गतिविधियों पर नजर रख रही थी। अतीक अहमद के करीबी को एसटीएफ ने नेपाल से दबोचा उमेश पाल हत्याकांड में चल रही ताबड़तोड़ दबिश के बीच पुलिस ने नेपाल से अतीक अहमद के करीबी कहे जाने वाले क्यूम अंसारी को गिरफ्तारी कर लिया है। आरोप है कि क्यूम अंसारी ने शूटरों की मदद की थी। नेपाल में पेट्रोल पंप का संचालन करने वाले प्रयागराज के क्यूम को नेपाल के कपिलवस्तु से एसटीएफ ने हिरासत में लिया है। उसे शुक्रवार को देर रात तक प्रयागराज लाए जाने की संभावना है। बताया जा रहा है कि उससे पूछताछ में एसटीएफ को कुछ और सुराग मिल सकते हैं।

अवध विश्वविद्यालय के 27वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल कर रही शिरकत

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या में राजपाल आनंदीबेन पटेल अवध विश्वविद्यालय के 27 वें दीक्षांत समारोह की शुरुआत नई परंपरा से की गई जिसमें सरस्वती दीप प्रज्वलन की जगह गागर में जल भरकर दिया जल संचयन का संदेश दिया गया, बिना नाम लिए राहुल गांधी पर साधा निशाना, कहा विदेश में जाकर कर रहे देश को बदनाम,कहते हैं देश में लोकतंत्र नहीं, अपने अनुवादम में अयोध्या वासियों से कहा आप लोग खुशनसीब है जो राम नगरी में लिया है जन्म, लड़कों पर ली चुटकी, कहा 80: गोल्ड मेडल लड़कियां ले जा रही, अवध विश्वविद्यालय में भी लड़कियों का ग्राफ बढ़कर 64: हुआ, महिला सशक्तिकरण पर कहा उत्तर प्रदेश के 6 विश्वविद्यालयो में महिला कुलपति, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अवध विश्वविद्यालय की 127 मेघावी छात्रों को द गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया गया। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. गोयल ने जानकारी दी इसमें सर्वोच्च अंक प्राप्त स्नातक, परास्नातक एवं दानस्वरूप छात्र–छात्राओं को कुल 127 स्वर्णपदक प्रदान किए जायेंगे। इसमें 66 छात्राओं को स्वर्णपदक व 44 छात्रों को स्वर्णपदक दिया जायेगा। इस समारोह में विश्वविद्यालय परिसर एवं महाविद्यालयों के स्नातक, परास्नातक व पीएचडी में कुल 191074 छात्र–छात्राओं को उपाधि दी जायेगी। जिसमें स्नातक के कुल 152080, परास्नातक के कुल 38897 व पीएचडी के कुल 97 छात्र–छात्राओं को उपाधि दी जायेगी। समारोह को भव्य बनाने के लिए कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश

राज्यपाल व कुलाधिपति उत्तर प्रदेश श्रीमती आनन्दीबेन पटेल कर रही है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला के पूर्व कुलपति प्रो0 कुलदीप चन्द अग्निहोत्री होंगे। इस समारोह के विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार के योगेन्द्र उपाध्याय व उच्च शिक्षा राज्यमंत्री श्रीमती रजनी तिवारी होगी। दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर कुलपति प्रो0 गोयल के दिशा–निर्देश में इसमें दीक्षांत समारोह के दिन होने वाले विशेष कार्यक्रम में कुलाधिपति द्वारा प्राथमिक विद्यालय सनाहा एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय मऊ शिवाला के 30 बच्चों को स्कूल बैग, स्टोरी बुक, स्टेशनरी बाक्स सहित टोकरी में पांच प्रकार के फल देने का रिहर्सल किया गया। इसमें कुलाधिपति द्वारा आगनबाडीध कार्यकत्रियों को सेवा कार्य में प्रोत्साहन के लिए किट प्रदान किया जाएगा।

यीशु दरबार का सामने आया नाजरेथ ट्रस्ट कनेक्शन : मंडलायुक्त ने बैठाई जांच

प्रयागराज ब्यूरो : धर्मांतरण को लेकर सुर्खियों में आए यीशु दरबार का कैथोलिक समुदाय के नाजरेथ हॉस्पिटल ट्रस्ट के साथ कनेक्शन सामने आया है। यीशु दरबार ट्रस्ट प्रोटेस्टेंट संप्रदाय की धार्मिक गतिविधियों को संचालित करने वाली संस्था है, जबकि नाजरेथ अस्पताल ट्रस्ट रोमन कैथोलिक डायोसिस इलाहाबाद की ओर से संचालित किया जाता है। विपरीत विचारधारा वाले इन दोनों संप्रदायों के बैंक खातों से हर महीने लेनदेन का पता चला है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मंडलायुक्त की ओर से इस मामले की सहायक रजिस्ट्रार चिट्स फंड सोसाइटी के द्वारा कराई गई ऑडिट रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। यीशु दरबार के तीन बैंक खातों में से एक सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के खाते से प्रत्येक महीने सौ से अधिक संस्थाओं और व्यक्तियों के खाते में धनराशि भेजी जाती है। इस बैंक से यीशु दरबार के निकाले के स्टेटमेंट में नाजरेथ हॉस्पिटल के खाते में 70 हजार रुपये भेजा गया है। पता चला है कि इतनी ही धनराशि प्रतिमाह नाजरेथ हॉस्पिटल के खाते में भेजी जा रही है। यह लेनदेन कब से और किस मकसद से किया जा रहा है, इसकी जांच होनी अभी बाकी है। इतना ही नहीं जांच के दौरान पता चला है कि कैथोलिक संप्रदाय के धर्माधिकारी इसीडोर फर्नांडीज यीशु दरबार ट्रस्ट में आजीवन सदस्य के रूप में भी नामित हैं। कहा जा रहा है कि कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट समुदायों के अपने चर्च और उनके प्रबंधन की अलग व्यवस्थाएं संचालित हैं, लेकिन यीशु दरबार और नाजरेथ के बीच लेनदेन कहीं धार्मिक गतिविधियों को विस्तार देने का हिस्सा तो नहीं हैं। फिलहाल इस लेनदेन के जरिए जुड़े यीशु दरबार से नाजरेथ के बीच जुड़े इस कनेक्शन ने इनके रिश्तों की गवाही देनी शुरू कर दी है। भाजपा के पूर्व उपाध्यक्ष दिवाकर नाथ त्रिपाठी ने

मुख्यमंत्री से शिकायत की थी कि रोमन कैथोलिक डायोसिस के नाम से संचालित मिशनरी संस्थान ने प्रयागराज समेत पूर्वांचल के कई जिलों में विद्यालय और अस्पताल चलाने के लिए सोसाइटी का गठन किया है। समाज सेवा के नाम पर अस्पताल और स्कूलों से अर्जित होने वाली करोड़ों रुपये की धनराशि मिशनरी कार्यों में संलिप्त कंपनी को ट्रांसफर की जाती है। कैथोलिक संप्रदाय की इस संस्था को धर्मांतरण कराने वाले यीशु दरबार ट्रस्ट से भी हर महीने रकम दी जा रही है। यीशु दरबार से नाजरेथ के खाते में धन किस काम के लिए भेजा जाता है, यह गहरी जांच का विषय बन गया है।

यीशु दरबार से रिश्ता या किसी तरह के लेनदेन की बात हजम होने वाली नहीं है। ऐसा संभव ही नहीं है। कैथोलिक संप्रदाय के नाजरेथ हॉस्पिटल से यीशु दरबार का दूर–दूर तक कोई संबंध नहीं है। वो लोग गलत काम कर रहे हैं। हम लोग उनकी परछाई से भी बचना चाहते हैं। लेनदेन करना तो दूर हम लोगों को यीशु दरबार में बैठना भी मना है।

– फादर लुइस मस्करेनस, निदेशक– नाजरेथ हॉस्पिटल ट्रस्ट।

बीआरडी में भर्ती हुई चीनी पर्यटक : हालत खतरे से बाहर

ब्यूरो गोरखपुर : बीआरडी मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती हुई ताइवान मूल की चीनी पर्यटक (42) शीह डी कुआन की हालत खतरे से बाहर है। उसका इलाज अभी मेडिसिन वार्ड में चल रहा है। डॉक्टरों ने मनोचिकित्सा विभाग में इलाज की सलाह दी है। इस बीच कई बार महिला पर्यटक बीआरडी से भागने की कोशिश भी कर चुकी है। परिजनों से वीडियो कॉल पर बात की, इसके बाद महिला सामान्य हुई। जानकारी के मुताबिक, शीह डी कुआन पिछले वर्ष नवंबर में नेपाल से कुशीनगर आई थी। उस दौरान वह बीमार चल रही थीं। बताया जा रहा है कि उनकी दवा ताइवान से चल रही थी। इस बीच दवा खत्म हो गई तो उनकी मानसिक स्थिति बिगड़ गई। इस बीच उन्हें कुशीनगर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से डॉक्टरों ने बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक पहले उन्हें मेडिसिन वार्ड में भर्ती कराया गया, जहां पर प्राथमिक इलाज के बाद मेडिसिन के डॉक्टरों ने मनोचिकित्सा विभाग में जांच की सलाह दी। डॉक्टर महिला की पूरी हिस्ट्री जानने की कोशिश में जुटे हैं, लेकिन भाषा की जानकारी न होने की वजह से थोड़ी

दिक्कतें आ रही हैं। इसके लिए कुशीनगर से एक द्विभाषीय बुलाया गया है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के मनोचिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. तपस कुमार ने बताया कि मरीज की पूरी मेडिकल हिस्ट्री जानने की कोशिश की जा रही है। महिला परिजनों से वीडियो कॉल पर बात करने के बाद कुछ सामान्य हुई है।

विद्युत कर्मचारी मोर्चा संगठन ने किया हड़ताल का बहिष्कार

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या। जहां बिजली कर्मियों ने तीन दिसंबर को ऊर्जा मंत्री की मौजूदगी में हुए लिखित समझौते को लागू करने की मांग को लेकर मंगलवार से आंदोलन शुरू कर दिया है वही विद्युत कर्मचारी मोर्चा संगठन के पदाधिकारियों व सदस्यों ने संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष चंद्र प्रकाश अवस्थी बब्बू के आह्वान पर हड़ताल का बहिष्कार करते हुए कार्य जारी रखा है। यह जानकारी अयोध्या जोन के जोनल अध्यक्ष पंकज सेठ ने देते हुए बताया कि हमारे संघटन के केंद्रीय अध्यक्ष से एमडी पंकज कुमार से कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर सकारात्मक वार्ता हो चुकी है जिसके बाद उन्होंने उसके समाधान का आश्वासन दिया है। जिसके कारण हमारा संगठन इस हड़ताल में शामिल नही है। अयोध्या जोन के सभी कार्यालयों में हमारे संगठन से जुड़े लोग अपनी ड्यूटी पर है। हमारे संगठन के अध्यक्ष का जैसा आदेश होगा वैसा निर्णय लिया जाएगा। बता दे की विद्युत कर्मचारी संघर्ष समिति ने 15 मार्च को कार्य बहिष्कार और 16 मार्च की रात से 72 घंटे की हड़ताल का एलान किया है।जिसके चलते बिजली ऑफिसों में कर्मचारी हड़ताल पर है।

उप्र माध्यमिक शिक्षक संघ जौनपुर ने बोर्ड की कापियों के मूल्यांकन बहिष्कार हेतु सभी छः मूल्यांकन केंद्रों का किया दौरा

जौनपुर डीकेयू कार्यालय प्रतिनिधि : उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ जौनपुर ने बोर्ड की कापियों के मूल्यांकन बहिष्कार को सफल बनाने के लिए आज सभी छः मूल्यांकन केंद्रों का दौरा किया तथा सभी मूल्यांकन उपनियंत्रकों से उनका सहयोग मांगा। पुरानी पेंशन बहाली,विनियमितिकरण,चिकित्सीय सुविधा , वित्तविहीन को सम्मानजनक मानदेय, स्थानांतरण के सरलीकरण , मूल्यांकन एवम् कक्ष निरीक्षक पारिश्रमिक सहित सात सूत्रीय मांगों के समर्थन में प्रदेश भर के शिक्षक होने आज से शुरू होने जा रहे मूल्यांकन कार्य का बहिष्कार कर रहे हैं। प्रांतीय स्तर पर चेतनारायण गुट के साथ निर्दल समूह में शामिल वित्तविहीन के एमएलसी आकाश अग्रवाल एमएलसी लालबिहारी, राजकीय के चारों संगठन इस बहिष्कार का समर्थन कर रहे हैं। प्रांतीय उपाध

यक्ष नरसिंह बहादुर सिंह ने बताया कि हमारी मांगों के पूरा होने तक बहिष्कार जारी रहेगा। दौरे पर मुख्य रूप से अजय प्रकाश सिंह,सुधाकर सिंह, प्रमोद कुमार सिंह , दिनेश चक्रवर्ती,दयाशंकर सिंह,चंद्रप्रकाश दुबे आदि उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय की उदासीनता के चलते अंकपत्र में संशोधन प्रक्रिया बंद

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की लापरवाही का खामियाजा पांच जनपदों के छात्रों को भुगतना पड़ रहा है। कई लोगों को नौकरी तो मिल गई है लेकिन सत्यापन के चलते उनकी जिंदगी अधर में अटकी है। ऐसे छात्रों का समाधान विश्वविद्यालय की तरफ से नहीं किया जा रहा है। छात्र हर रोज विश्वविद्यालय का चक्कर काट रहे हैं। लेकिन विश्वविद्यालय परीक्षा समिति के फैसले का हवाला देकर उन्हें वापस कर दे रहा है। पूर्वांचल विश्वविद्यालय से संबद्ध मऊ,गाजीपुर, आजमगढ,जौनपुर, हड़िया प्रयागराज जिले के विभिन्न महाविद्यालय के छात्रों को संसोधन के लिए विश्वविद्यालय का चक्कर काटना पड़ रहा है। नौकरी के लिए उनको सत्यापन मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।इनमें कुछ के अंकपत्र में माता–पिता तो कुछ के नाम में गड़बड़ी है। कुछ ऐसे भी छात्र हैं जिनके अंकपत्र में अंको के औसत के कुल योग में कमी है। लेकिन पूर्वांचल विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से छात्रों के अंकपत्र की गड़बड़ी में किसी प्रकार का सुधार नहीं किया जा रहा है। अलग–अलग जनपदों से विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालय के छात्रों की शिकायत है कि विश्वविद्यालय प्रशासन की लापरवाही के चलते किसी के नाम में त्रुटि है तो किसी में टाइटल नहीं लगा हुआ है। छात्रों का तो कई पेपर का अंक ही नहीं चढ़ा है, यह समस्या कोरोना संक्रमण काल के दौरान आई थी विश्वविद्यालय बंद होने की वजह से छात्र अपनी समस्या ठीक नहीं करवा सके थे।स्थिति सामान्य होने के बाद त्रुटि ठीक करने के लिए छात्रों में विश्वविद्यालय में प्रार्थना पत्र के साथ शुल्क भी जमा कर दिया था ।शुल्क रसीद प्राप्त होने के बाद भी विश्वविद्यालय में त्रुटि नहीं सही की। विश्वविद्यालय का परीक्षा विभाग छात्रों को यह कह कर वापस कर दे रहा है, कि संशोधन की प्रक्रिया छह माह की होती है। जबकि जिम्मेदार लोगों का कहना है कि अधिकारियों की तरफ से संशोधन प्रक्रिया में रोक लगा दी गई है जब तक रोक नहीं हटेगी तब तक किसी भी छात्रों के समस्या का समाधान कर्मचारियों के स्तर पर करना नामुमकिन है। वहीं कई छात्रों की नौकरी लग चुकी है लेकिन सत्यापन के चलते उनकी जिंदगी दांव पर लगी है।इस मामले में शुक्रवार को जानकारी देते हुए अजीत सिंह सहायक कुलसचिव परीक्षा ने बताया कि परीक्षा समिति के निर्णय के बाद संशोधन प्रक्रिया बंद हो गई थी। जब भी परीक्षा समिति की बैठक होगी इस मामले को वहां रखा जाएगा। और इस पर विचार किया जाएगा।

गोद में बच्चे लेकर ऑटो सवार से चोरी करने वाली तीन महिलाएं गिरफ्तार : कई दिनों से थी तलाश

ब्यूरो गोरखपुर : गोरखपुर जिले में कैंट पुलिस ने ऑटो में सवार होकर बुजुर्ग और महिलाओं से रुपये, सोने के गहने चोरी करने वाली तीन महिलाओं को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया। आरोपियों ने बताया कि वह बच्चे को गोद में लेकर वारदात के अंजाम देती हैं, ताकि किसी यात्री को संदेह न हो। पुलिस ने आरोपियों पर केस दर्ज कर कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया। पकड़ी गई महिलाओं की पहचान बड़हलगंज के करवलिया निवासी पूजा पत्नी रवि, इसी गांव की मुस्कान पत्नी मेजर और अंजली पत्नी विशाल के रूप में हुई है। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने पुलिस लाइंस में प्रेस कांफ्रेंस कर आरोपी महिलाओं के बारे में जानकारी दी। एसपी सिटी ने बताया कि बृहस्पतिवार को हुमांयुपुर निवासी अजय कुमार सिंह की पत्नी पिंकी से ऑटो में एक महिला ने ध्यान भटकाकर सोने की चेन छीनने की कोशिश की। इस दौरान एक महिला पकड़ी गई। सूचना पर पुलिस पहुंची और जांच के बाद दो और महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया। एसपी ने बताया कि आरोपी महिलाओं ने बताया कि ऑटो व रिक्शे पर सफर करने के दौरान वह बुजुर्ग और अकेली महिलाओं को निशाना बनाकर वारदात करती हैं। ध्यान भटकाकर पर्स, मोबाइल फोन, गहने चोरी कर लेती हैं। गोद में बच्चा होने की वजह से पकड़े जाने पर भी लोग छोड़ देते थे और पुलिस में शिकायत नहीं करते थे।

नशा छोड़ जीवन से प्रेम करें युवा – प्रो. निर्मला एस. मौर्य

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय के संकाय भवन के संगोष्ठी हाल में गुरुवार को सबस्टैंस ड्रग एब्यूज एंड एडीकशनः एक्शन टूवार्डस एडीक्शन टू डीडीकेशन विषय पर चर्चा की गई। यह कार्यक्रम व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग और छात्र अधिष्ठाता कल्याण कार्यालय के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। कुलपति ने इससे छुटकारा दिलाने के विश्वविद्यालय में ड्रग एडिक्शन एंड रिहैबिलाइटेशन

केंद्र बनाने की बात कहीं। बतौर कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि समाज में अमन, चौन और खुशहाली के लिए मद्य निषेध की आवश्यकता है। नशा की प्रवृत्ति के चलते आज परिवार और समाज टूट रहे हैं। लोगों के क्रियात्मक व वैचारिक सोच में कमी आ रही है इसलिए युवा खासतौर से जीवन से प्रेम करें ताकि उनके परिवार के हर सदस्य के आंखों में उनका इंतजार और प्यार बना रहे। इस अवसर पर बायोटेक्नालाजी विभाग की प्रो. वंदना राय ने कहा कि खुशी सबसे महत्वपूर्ण चीज है अगर आप खुश रहे तो बहुत सी समस्या अपने आप भाग जाएगी। नशा का कारण जेनिटिक भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि नशा के कारण शरीर में हैप्पी हारमोंस भी रिलीज होते हैं, मगर यह खुशी कुछ समय के लिए होती है, यह शरीर के लिए हानिकारक भी है। इस पर विस्तार से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हैप्पी हारमोंस को बड़ाकर हम तनाव को दूर कर सकते हैं। छात्र उद्देश्य सिंह ने समाज में नशा की बढ़ती प्रवृत्ति को विस्तार से समझाया। संगोष्ठी का संचालन डा. मनोज पांडेय और धन्यवाद ज्ञापन डा. अनु त्यागी ने किया। इस अवसर पर डा. जाह्नवी श्रीवास्तव, डा. सुनील कुमार, डा. मंगला प्रसाद, डा. दिनेश कुमार सिंह, डा. राजित राम सोनकर, डा. इंद्रजीत सिंह, डा. राहुल राय, सुमित सिंह आदि थे।

जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती ने किया कृषक जागरूकता संगोष्ठी का शुभारंभ

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : आज कृषि भवन परिसर हरदोई मे आयोजित कृषक जागरूकता संगोष्ठी व कृषि उत्पादक कार्यशाला का मुख्य अतिथि अध्यक्ष जिला पंचायत हरदोई प्रेमावती पीके वर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर कृषि सम्बन्धी सेवाओं व

जनकल्याणकारी योजनाओं के विधिवत् प्रचार प्रसार हेतु विभिन्न विभागों द्वारा स्थापित स्टालों का निरीक्षण कर जिला पंचायत अध्यक्ष ने किसानों को खेती मे आधुनिक तकनीक के प्रयोग तथा भाजपा सरकार द्वारा प्रारंभ कृषि क्षेत्र की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया। इसी क्रम मे उप कृषि निदेशक हरदोई डॉ नंद किशोर ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए, कृषि विभाग द्वारा संचालित जनहित योजनाओं तथा कार्यशाला के प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से कृषि विभाग के अधिकारी व कर्मचारीगण तथा क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे।

गौराबादशाहपुर थाना अंतर्गत गांजा के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : गौराबादशाहपुर थाना अंतर्गत पुलिस द्वारा एक शातिर अभियुक्त नवनीत निषाद गांजा के साथ गिरफ्तार पुलिस अधीक्षक जनपद द्वारा अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये गये अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी केराकत के पर्यवेक्षण एवं प्रभारी निरीक्षक गौराबादशाहपुर के दिशा निर्देशन मे थाना

गौराबादशाहपुर पुलिस बल द्वारा आज दिनांक– 17.03.2023 को विथार तिराहे से एक व्यक्ति नवनीत निषाद पुत्र बाकेलाल निषाद ग्राम गुलराघाट बम्बावन थाना केराकत जनपद जौनपुर को गांजा 06 किलो 200 ग्राम के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त को माननीय न्यायालय भेजा जा रहा है। नाम पता अभियुक्त– 1.नवनीत निषाद पुत्र बाकेलाल निषाद ग्राम गुलराघाट बम्बावन थाना केराकत जनपद जौनपुर। आपराधिक इतिहास– 1. मु0अ0सं0 –50/2023 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट थाना गौराबादशाहपुर जौनपुर गिरफ्तारी टीम– 1–निरीक्षक क्राइम अंगद प्रसाद तिवारी थाना गौराबादशाहपुर, जनपद जौनपुर। 2–उ0नि0 रामजी सैनी थाना गौराबादशाहपुर, जनपद जौनपुर। 3–हे0का0 उमाशंकर सिंह थाना गौराबादशाहपुर, जनपद जौनपुर। 4–का0 अमित यादव थाना गौराबादशाहपुर, जनपद जौनपुर। 5–का0 अवनीश सोनकर थाना गौराबादशाहपुर, जनपद जौनपुर।

जरुरतमंद लोगों की मदद करना सच्ची श्रद्धांजलि – प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) शुक्रवार को जिले के तारुन विकास खण्ड क्षेत्र के ग्राम चौबेपुर (जाना बाजार) के मूल निवासी व पत्रकार राजेश श्रीवास्तव के पिता रामचंद्र लाल की नौवीं पुण्यतिथि पर जिला चिकित्सालय में मरीजों व उनके परिजनों को फल वितरित कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दिया गया।इस मौके पर जिला चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डाक्टर सी बी एन त्रिपाठी ने वहां पर भर्ती मरीजों व उनके परिजनों को फल वितरित किया।इस मौके पर प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ सी बी एन त्रिपाठी ने कहा कि वास्तव में किसी भी व्यक्ति की सच्ची श्रद्धांजलि परोपकार कार्य व गरीबों की सेवा करने के साथ साथ जरूरतमंद लोगों की मदद करके ही होती है।इसलिए आज जो यह कार्य किया जा रहा है बहुत ही सराहनीय है। इस मौके पर डाक्टर अजय तिवारी, डाक्टर अरविंद खरे, डाक्टर सुजीत मौर्या, डाक्टर तपन चौधरी, डाक्टर आलोक श्रीवास्तव, डाक्टर कैसर, डाक्टर मनोज सैनी, डाक्टर पवन वर्मा सहित कई चिकित्सक मौजूद रहे। इसी कड़ी मे अश्वनी पुरम कॉलोनी स्थित उनके आवास पर आज उनके परिजनों ने उनकी नवमी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया इस मौके पर श्याम चंद्र लाल श्रीवास्तव अरविंद कांत श्रीवास्तव वैभव श्रीवास्तव

शशांक श्रीवास्तव सुमित श्रीवास्तव पवन श्रीवास्तव रत्नेश कांत श्रीवास्तव स्वयं श्रीवास्तव सहित आसपास के लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया।मालूम हो कि राम चंद्र लाल वर्ष 2005 अधिशासी अभियंता उत्तर प्रदेश जल निगम निर्माण शाखा के मुख्य लिपिक व लेखा अधिकारी पद से सेवानिवृत्त हुए थे और उसके बाद उनकी सामाजिक गतिविधियों वह मृदुल व्यवहार को देखते हुए उनके पैतृक ग्राम वासियों के आग्रह पर वे कुछ दिन तक ग्रामसभा जाना बाजार से ग्राम पंचायत सदस्य के रूप में चयनित होकर कई सालों तक सामाजिक सेवा भी किया।17 मार्च वर्ष 2014 को उनकी कैंसर के चलते मृत्यु हो गई थी।

अप्रैल माह का समाधान दिवस का रोस्टर हुआ जारी

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) जनसमस्याओ के समय से व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण एवं अन्य सुविधाओ को सुगमता पूर्वक उपलब्ध कराये जाने हेतु माह के प्रथम एवं तृतीय शनिवार को जिले के प्रत्येक तहसील में प्रातः 10 बजे से 02 बजे तक आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवस का रोस्टर जारी करते हुए जिलाधिकारी श्री नीतिश कुमार ने बताया कि तहसील स्तर पर आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवस में कोई भी पीड़ित व्यक्ति अपनी समस्याएं लेकर आ सकता है जिसकी सुनवाई मौके पर सुनी जायेगी और उसके निस्तारण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियो को मौके पर भेजकर त्वरित निस्तारण हेतु निर्देशित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि 01 अप्रैल 2023 को तहसील सदर में जिलाधिकारी, तहसील रूदौली में मुख्य विकास अधिकारी, तहसील सोहावल में मुख्य राजस्व अधिकारी, तहसील बीकापुर में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, तहसील मिल्कीपुर में अपर जिलाधिकारी प्रशासन की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान का आयोजन होगा। इसी प्रकार 15 अप्रैल को तहसील सोहावल में जिलाधिकारी, तहसील सदर में मुख्य विकास अधिकारी, तहसील बीकापुर में मुख्य राजस्व अधिकारी, तहसील मिल्कीपुर में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, तहसील रूदौली में अपर जिलाधिकारी प्रशासन की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया जायेगा। 06 मई 2023 को तहसील बीकापुर में जिलाधिकारी, तहसील सोहावल में मुख्य विकास अधिकारी, तहसील मिल्कीपुर में मुख्य राजस्व अधिकारी, तहसील रूदौली में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, तहसील सदर में अपर जिलाधिकारी प्रशासन। 20 मई को तहसील मिल्कीपुर में जिलाधिकारी बीकापुर में मुख्य विकास अधिकारी, तहसील सदर में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, सोहावल में अपर जिलाधिकारी प्रशासन। 03 जून 2023 में तहसील रूदौली में जिलाधिकारी, मिल्कीपुर में मुख्य विकास अधिकारी, सदर में मुख्य राजस्व अधिकारी, सोहावल में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, तहसील बीकापुर में अपर जिलाधिकारी प्रशासन। 17 जुन 2023 को तहसील सदर में जिलाधिकारी, रूदौली में मुख्य विकास अधिकारी, सोहावल में मुख्य राजस्व अधिकारी, बीकापुर में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, मिल्कीपुर में अपर जिलाधिकारी प्रशासन की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन होगा, जिसमें जनसामान्य की समस्याओ का समाधान किया जायेगा।

युवक ने पेड़ से लटककर की खुदकुशी : जांच में जुटी पुलिस

ब्यूरो गोरखपुर : गोरखपुर जिले में बांसगांव इलाके के देवराड खुर्द में बृहस्पतिवार को एक युवक ने घर के सामने स्थित शिव मंदिर के पास आम के पेड़ में साड़ी का फंदा बनाकर खुदकुशी कर ली। मौत की वजह जानने के लिए पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक, देवराड खुर्द निवासी नन्हे पांडेय के छोटे पुत्र विनय पांडेय (24) माता पिता व भाई के साथ मुंबई में रहते थे। होली पर अकेले गांव आए थे। कुछ दिन पहले विनय के माता–पिता भी गांव आ गए। पिता ने बताया कि बुधवार रात में खाना खाकर विनय सोने चले गए। रात में कब फांसी लगा ली, किसी को नहीं पता। बृहस्पतिवार

सुबह गांव का युवक शौच के लिए जा रहा था, तभी उसकी नजर लटके हुए शव पर पड़ी। युवक के शोर मचाने पर गांव के लोगों को जानकारी हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कानूनी कार्रवाई की। विनय से बड़ा एक भाई और हैं, जो मुंबई में है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक का हुआ आयोजन

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) आज जिलाधिकारी की अध्यक्षता में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक का आयोजन किया गया जिसे मुख्य रूप से लक्षित 18210 लाभार्थियों को प्रथम एवं द्वितीय किस्त दिए जाने, सामुदायिक शौचालय मैं कार्यालय केयरटेकर का भुगतान, मॉडल गांव बनाए जाने हेतु 15 ग्राम पंचायतों में धन आवंटित करने की संस्तुति, वार्षिक कार्य योजना एवं चयनित ग्राम पंचायत में गोबर धन योजना अंतर्गत गोबर गैस प्लांट संयंत्र स्थापित किए जाने पर विचार किया गया, इसके अतिरिक्त जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा कायाकल्प योजना अंतर्गत पूर्व से निर्मित जर्जर आंगनबाड़ी केंद्रों का कायाकल्प कराए जाने के संबंध में जिलाधिकारी को अवगत कराया गया, अनीता यादव, मुख्य विकास अधिकारी, आर एस चौधरी उपनिदेशक पंचायत, दमनप्रीत अरोरा जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी के अतिरिक्त अन्य समस्त समिति के संबंधित अधिकारी का उपस्थित रहे।

आदि शक्ति श्री गुरगाईन माता मन्दिर पर विशाल कुश्ती एंव मेले का आयोजन

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) विशाल दंगल/कुश्ती एंव मेले का आयोजन विगत वर्षो की भॉति इस वर्ष भी विशाल दंगल/कुश्ती एंव मेले का आयोजन किया गया है जिसमें अयोध्या, गोण्डा, बस्ती सुल्तानुपर बाराबंकी व अन्य जनपदो के पहलवान भी आये है। होली के आठवें दिन हवन–पूजन के बाद विशाल दंगल/कुश्ती एंव मेले का आयोजन समस्त क्षेत्र वासियों के सहयोग से किया जाता है। जिसमें कि मुख्य अतिथि विकास सिंह (अध्यक्ष कबड्डी संघ) विशिष्ट अतिथ–पवन यादव पार्षद पद प्रत्याशी, आयोजक–महन्त परमानन्द पाठक, सहयोगी व भक्तगण घनश्याम यादव, अभिनव सिंह, भुलई यादव, पं0 कौशलेन्द्र तिवारी (बब्लू तिवारी) पं0 शिव प्रसाद मिश्रा, रवि प्रकाश, शिव कुमार सिंह, कुलदीप यादव, बब्लू यादव, अजीत उपाध्याय, बलराम मिश्रा, अखिलेश, उपाध्याय, मनीश तिवारी, अंशु सिंह, जनार्दन सिंह विवेक सिंह, जग्गू मिस्त्री, सुधा सिंह, राम पाल यादव, संदीप, मुकेश यादव आदि उपस्थित रहे।

अज्ञात कारणों से झोपड़ी में लगी आग : जली गृहस्थी व नकदी

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) अमानीगंज खंडासा थाना क्षेत्र के मंझनपुर अंतर्गत अमरगंज बाजार में बुधवार सुबह अज्ञात कारणों से लगी आग में एक झोपड़ी जलकर राख हो गई। स्थानीय लोगों के प्रयास से आग पर काबू पाया गया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पंचबली पुत्र दुर्गा प्रसाद के छप्परनुमा आवास में सुबह लगभग 8:00 बजे अज्ञात कारणों से आग लग गई आग की लपटों को देखकर स्थानीय लोग दौड़े और आग पर काबू पाया गया। आग की चपेट में आने से छप्पर में रखा बिस्तर गृहस्थी का सामान व 6000 की नकदी जल गई। सूचना पर पहुंचे क्षेत्रीय लेखपाल मुकेश सिंह ने क्षति का आकलन कर तहसील प्रशासन को रिपोर्ट प्रेषित की।

अपराधियों से सख्ती व जनता से मैत्रीपूर्ण ढंग से पेश आए पुलिस – प्रवीण कुमार

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) अयोध्या रेंज के सभी जिलों को अपराध मुक्त रखना तथा जनता में पुलिस के प्रति मैत्रीपूर्ण व्यवहार करना हमारी प्रथम प्राथमिकता है।आने वाले दिनों प्रमुख पर्वों को भी सकुशल संपन्न कराना भी हमारे लिए एक चुनौती है।इसके लिए हम सभी को पुलिसिंग व्यवस्था को चुस्त–दुरुस्त रखनी होगी।यह बातें गुरुवार को अपने कार्यालय पर आयोजित मासिक समीक्षा बैठक में नवागत आई जी रेंज अयोध्या आईजी प्रवीण कुमार ने रेंज के सभी जिलों के पुलिस प्रमुखो से रूबरू होते हुए कहा। समीक्षा बैठक में उन्होंने जिले के सभी पुलिस प्रमुखों को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि आप सभी पुलिस कर्मियों के माध्यम से जनता के बीच आपसी तालमेल रखते हुए जिले को अपराध मुक्त रखें।क्योंकि शासन की यही प्रमुख प्राथमिकता है।इसके लिए आप सभी अपने जनपदों में अपने अधीनस्थ पुलिस कर्मियों के सहयोग से उन अपराधियों को चिन्हित करें।जो पिछले कुछ महीनों पहले जेल में गए हैं या फिर अभी कुछ महीने पहले जेल से छूट कर जमानत पर बाहर आये हैं। इसके लिए खुफिया तंत्रों के माध्यम से आप सभी इन अपराधियों पर पैनी निगाह रखें और अगर जरूरत पड़े तो इन अपराधियों के विरुद्ध पुलिसिया कार्यवाही करते हुए इनको फिर जेल भेजे।जिससे कि हमारा समाज भयमुक्त और अपराध मुक्त रहे।उन्होंने रेंज के सभी जिला पुलिस प्रमुखों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि फरियादियों के साथ पुलिस ऐसा बर्ताव ना करें कि जिससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर कोई धब्बा न लगे।इसके लिए

पुलिस थानों पर आने वाले सभी फरियादियों के साथ शालीनता से पेश आए और जहां तक हो सके उन सभी फरियादियों की समस्याओं का समाधान थानों पर ही हो जाए।समीक्षा बैठक में नवागत आईजी रेंज अयोध्या प्रवीण कुमार ने पुलिस प्रमुखों को निर्देश दिया कि आप सभी उन स्थानों पर भी खुफिया तंत्र के माध्यम से भी जानकारी ले जहां पिछले 6 महीने से कोई अप्रिय घटना घटी हो और इसमें शामिल उन सभी अराजक तत्वों व आपराधिक किस्म के लोगों के प्रति कठोरता से पेश आएं। संभव हो तो उन्हें भी जेल भेजे।शासन की प्रमुख प्राथमिकता समाज को भयमुक्त बनाना और अपराधियों से छुटकारा दिलाना है।इसलिए आप अपने जिलों में रह रहे अपराधियों को या तो जेल भेजें या फिर इस तरह उन्हें मजबूर कर दें कि वह खुद जिला छोड़ दें। इस मौके पर डीआईजीएसएसपी अयोध्या मुनिराज जी, एसपी बाराबंकी दिनेश सिंह, एसपी सुल्तानपुर सोमेन वर्मा,एसपी अम्बेडकरनगर अजीत सिन्हा व एसपी अमेठी मौजूद रहे।

जन समस्याओं का समय से गुणवत्ता पूर्ण ढंग से निस्तारण उपलब्ध कराये – जिलाधिकारी

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) जनसमस्याओ के समय से व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण एवं अन्य सुविधाओ को सुगमता पूर्वक उपलब्ध कराये जाने हेतु माह के प्रथम एवं तृतीय शनिवार को जिले के प्रत्येक तहसील में प्रातः 10 बजे से 02 बजे तक आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवस का रोस्टर जारी करते हुए जिलाधिकारी नीतिश कुमार ने बताया कि तहसील स्तर पर आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवस में कोई भी पीड़ित व्यक्ति अपनी समस्याएं लेकर आ सकता है जिसकी सुनवाई मौके पर सुनी जायेगी और उसके निस्तारण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियो को मौके पर भेजकर त्वरित निस्तारण हेतु निर्देशित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि 01 अप्रैल 2023 को तहसील सदर में जिलाधिकारी, तहसील रूदौली में मुख्य विकास अधिकारी, तहसील सोहावल में मुख्य राजस्व अधिकारी, तहसील बीकापुर में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, तहसील मिल्कीपुर में अपर जिलाधिकारी प्रशासन की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान का आयोजन होगा। इसी प्रकार 15 अप्रैल को तहसील सोहावल में जिलाधिकारी, तहसील सदर में मुख्य विकास अधिकारी, तहसील बीकापुर में मुख्य राजस्व अधिकारी, तहसील मिल्कीपुर में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, तहसील रूदौली में अपर जिलाधिकारी प्रशासन की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया जायेगा। 06 मई 2023 को तहसील बीकापुर में जिलाधिकारी, तहसील सोहावल में मुख्य विकास अधिकारी, तहसील मिल्कीपुर में मुख्य राजस्व अधिकारी, तहसील रूदौली में मुख्य विकास अधिकारी, तहसील सदर में अपर जिलाधिकारी प्रशासन। 20 मई को तहसील मिल्कीपुर में जिलाधिकारी बीकापुर में मुख्य विकास अधिकारी, तहसील रूदौली में मुख्य राजस्व अधिकारी, सदर में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, सोहावल में अपर जिलाधिकारी प्रशासन। 03 जून 2023 में तहसील रूदौली में जिलाधिकारी, मिल्कीपुर में मुख्य विकास अधिकारी, सदर में मुख्य राजस्व अधिकारी, सोहावल में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, तहसील बीकापुर में अपर जिलाधिकारी प्रशासन। 17 जुन 2023 को तहसील सदर में जिलाधिकारी, रूदौली में मुख्य विकास अधिकारी, सोहावल में मुख्य राजस्व अधिकारी, बीकापुर में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, मिल्कीपुर में अपर जिलाधिकारी प्रशासन की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन होगा, जिसमें जनसामान्य की समस्याओ का समाधान किया जायेगा।

दस वर्ष पूर्व बने आधार कार्ड का अपडेशन कराये

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) 15 मार्च से 14 जून 2023 के बीच आधार में पहचान का प्रमाण और पते का प्रमाण दस्तावेज ऑनलाइन अपडेट करने के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी अनीता यादव ने उक्त जानकारी देते हुए आगे बताया कि अगर आपका आधार बने हुए अधिक समय हो गया है तो आपको अपने आधार में पहचान का प्रमाण और पते का प्रमाण दस्तावेज अपडेट करना वांछनीय है। ऐसी स्थिती में यदि आपके पते में कोई परिवर्तन नहीं है और आप इसे ऑनलाइन अपडेट करते है तो 15 मार्च 2023 से 14 जून 2023 के बीच इसके लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। अगर आप अपने आधार में ऑनलाइन अपडेट करते समय किसी प्रकार का डेमोग्राफिक परिवर्तन चाहते है तो आपको 50 रूपये का शुल्क देना होगा। आधार केंद्र पर इस सेवा के लिए 50 रूपये का शुल्क है। आधार में पहचान का प्रमाण और पते का प्रमाण दस्तावेज ऑनलाइन अपडेट करने के लिए उलंकींत–नपकंप–हवअ–पद अथवीजजचेःध्ध नच–नपकंप–हवअ–पदध्नच पर लॉग इन करें। पहचान का प्रमाण (पीओआई) और पते का प्रमाण (पीओए) दस्तावेजों की जानकारी के लिएीजजचेःध्ध्नपकंप–हवअ–पदध्पउंहमेध्बवउउकवबध्26 श्र।छ 2023 ।कींत स्पेज वकिवबनउमदजे म्दहसपी पर लॉग इन करें। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण, क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ द्वारा राज्य सरकार के सहयोग से उत्तर प्रदेश में आधार अपडेट के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जनपदवासियो से अपील की गई है कि जिनका आधार बने हुए अधिक समय हो गया है वे अपने आधार में पहचान का नवीनतम प्रमाण (पीओआई) और पते का प्रमाण (पीओए) दस्तावेज अपडेट करके अपने आधार को सशक्त करें। यह आधार डेटाबेस में आपकी जानकारी की निरंतर सटीकता सुनिश्चित करने में आपकी सहायता करेगा साथ ही राज्य सरकार और केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में आपकी मदद करेगा।

सीएचसी मिल्कीपुर में डॉक्टरों की मनमानी : खुलेआम मरीजों को बाहर से लिखी जा रहीं दवाएं

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। मिल्कीपुर अयोध्या। शासन के स्पष्ट निर्देश के बावजूद सरकारी अस्पतालों की स्थिति सुधरने का नाम नहीं ले रही। आने वाले मरीजों को बाहर से दवा लिखी जा रही है। डॉक्टरों की मनमानी से मरीजों को परेशानी हो रही है। सीएचसी मिल्कीपुर में मौजूद डॉक्टरों द्वारा बाहर की दवाई लिखना मरीजों को भारी पड़ रहा है, जबकि लगातार बदलते मौसम के कारण मरीजों की संख्या भी बढ़ी है। सरकारी अस्पतालों में रुपए खर्च कर पाने में असमर्थ लोग ही आते हैं, जिन्हें सरकारी दवाई न देकर अधिक कमीशन की महंगी दवाई लिखी जाती है। बृहस्पतिवार को रामधनी ने बताया कि पेट में कुछ दिक्कत थी जिसको दिखाने आया था तो डॉक्टर ने बाहर से दवा लिख दिया। इसकी एक पर्ची बना दी और बाहर लेने गया तो 306 रुपये की दवा मिली। इसी तरह एक महिला राम कुमारी इलाज कराने आयी तो उसको भी बाहर से दवा लिखी गई, जो 120 रुपये की मिली। ऐसे और कई मरीज हैं जिनको बाहर की धड़ल्ले से दवाएं लिखी जा रही हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि समय से पहले ही डॉक्टर अपने केबिन से गायब हो जाते है, कुछ मरीज बाहर बैठे डॉक्टर साहब का इंतजार करते रहे। नदारद डॉक्टर के बारे में जब जानकारी चाही गई तो पता चला कि डॉ पंकज श्रीवास्तव, डॉ रोशनी श्रीवास्तव एक ही केबिन में मरीजों को देख रहे थे। वही सामने की केबिन में डॉ प्रदीप कुमार मरीजों को देख रहे थे और अस्पताल में मिलने वाली दवाओं के साथ– साथ पीली पर्ची बाहर मौजूद मेडिकल स्टोरों के लिए दवाई लिख रहे थे। एक मेडिकल स्टोर संचालक ने बताया कि पर्ची ही डॉक्टरों का कोड है, उसी के हिसाब से डॉक्टरों का कमीशन मेडिकल स्टोर संचालकों द्वारा पहुंचा दिया जाता है। आपको बता दें कि 2 दिन पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी अयोध्या कमल राजा ने सीएससी का औचक निरीक्षण किया था निरीक्षण में 12 स्वास्थ्य कर्मी अनुपस्थित पाए गए थे। सीएमओ ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा था कि किसी भी हाल में मरीजों को बाहर की दवाएं नहीं लखी जाएगी उसके बाद भी डॉक्टरों द्वारा बाहर की दवाई लिखी जा रही है। सीएचसी अधीक्षक हसन किदवई से बाहर की लिखी जा रही दवाओं के संबंध में जब फोन किया गया तो उनका फोन नहीं उठा,अस्पताल के एक कर्मचारी ने बताया कि अभी वो किसी मीटिंग के लिए निकले हैं।

कृषि विवि परिसर में आज व 18 मार्च को होगा किसान मेला

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में दो दिवसीय किसान मेले व कृषि प्रदर्शनी का आयोजन 17 व 18 मार्च को किया जाएगा। किसान मेले का आयोजन किसान भवन मैदान में किया जा रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से मेले की तैयारियां तेज कर दीं गई हैं। मंगलवार को कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह ने जिम्मेदार अधिकारियों के साथ किसान मेला स्थल का जायजा लिया और कई आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने हर वर्ष की अपेक्षा इस बार किसानों की बढ़ती हुई संख्या के मद्देनजर स्टाल को ओर अधिक बढ़ाने का निर्देश दिया। इस वर्ष किसान मेले में लगभग 76 स्टाल लगाए जाएंगे। निदेशक प्रसार प्रो. ए.पी राव ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी किसान मेले का आयोजन किया जा रहा है। निदेशक प्रसार प्रो. ए.पी. राव ने बताया कि किसान मेले में उत्तर प्रदेश के अलावा बाहरी राज्यों से इस बार लगभग 20 हजार किसान मेले में पहुंचेंगे। किसान मेले में आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय द्वारा संचालित 25 कृषि विज्ञान केंद्रों, आईसीएआर संस्थानों, मुख्य कैंपस, एफपीओ व सरकारी संस्थाओं द्वारा आधुनिक तकनीकियों से तैयार की गई फल, सब्जी, धान व गेहूं की उन्नत फसलों एवं बीजों का किसान अवलोकन कर सकेंगे। किसानों को औषधीय गुणों, जैविक खेती, प्राकृतिक खेती, मोटे अनाज सहित कई अन्य विषयों के बारे में किसानों को जागरूक किया जाएगा। किसानों के लिए नाश्ते एवं पानी की व्यवस्था कृषि महाविद्यालय के सामने छायादार बागीचे में किया गया है।

सरस्वती शिशु मंदिर में योग शिक्षा की राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ उद्घाटन

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) मां नर्मदा जी की उद्गम स्थली / पवित्र नगरी अमरकंटक में संचालित सरस्वती शिशु मंदिर / उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण स्थल में अखिल भारतीय योग केंद्र पर योग शिक्षा की राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन हुआ , जिसमे आज के मुख्य अतिथि प्रकाशमणि त्रिपाठी कुलपति (ई गा रा ज जा वि.) अमरकंटक, डॉ विजय नाथ मिश्र ओ यस डी कुलपति (पहदजन) , के स्थानू मूर्ति जी प्रभारी केंद्र अमरकंटक (अखिल भारतीय योग शिक्षा) , राजेश जी संयोजक केंद्र दिल्ली (अखिल भारतीय योग शिक्षा) , संत श्री लवलीन बाबा (परमहंस धारकुंडी आश्रम अमरकंटक) , देवेंद्रनाथ चतुर्वेदी जबलपुर (प्रांत प्रमुख जनजाति शिक्षा) , चुन्नीलाल ओपचे छिंदवाड़ा (प्रांतीय योग प्रमुख) , राम शिरोमणि शर्मा शहडोल (विभाग समन्वयक) की प्रमुख रूप से गरिमामयी उपस्थिति रही । योग शिक्षा की राष्ट्रीय कार्यशाला के पूर्व विराजमान भगवती मां वीणावादिनी के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पण के बाद सरस्वती बंदना की गई । तत्पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा उद्बोधन दिया गया जिसमे योग की महिमा बताई गई । यह योग का कार्यक्रम 15 मार्च 2023 से 19 मार्च 2023 तक चलेगा । इस योग शिक्षा कार्यशाला में देश के अनेक प्रांतों से लगभग 50 योग शिक्षा प्राप्त करने शिक्षक पहुंचे , जो की इस पांच दिवसीय कार्यक्रम में भाग लेकर योग सीखेंगे और अपने प्रांत जाकर योग शिक्षा का विस्तार करेंगे । यह कार्यशाला सरस्वती शिशु मंदिर अमरकंटक प्रांगण में ही योग के लिए नवनिर्मित भवन में संचालित हो रही है । इस कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य बृजकिशोर शर्मा , आचार्य लखन द्विवेदी , बलराम साहू , रविशंकर तिवारी , रोहित लाल त्रिपाठी , शिव प्रसाद त्रिपाठी , कोदू लाल श्रीवास , महेंद्र गुप्ता , भरत लाल चंद्रवंशी , अनुराधा सिंह , विंदू शर्मा , नीतू सिंह , राम प्रसाद राम , राममिलन परस्ते , ओम प्रकाश चौधरी , सुरेश बरमैया , प्रद्युमन सिंह आदि की उपस्थिति सराहनीय रही।

छात्रवृत्ति समस्या को लेकर कृषि विवि के छात्र–छात्राओं ने फिर काटा हंगामा

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं ने छात्रवृत्ति न मिलने से आक्रोशित होकर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के मुख्य गेट पर अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठ गए तथा नारेबाजी करने लगे। कृषि विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के सामने दूसरी बार छात्र–छात्राओं द्वारा की जा रही नारेबाजी व धरना प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह विश्वविद्यालय के जिम्मेदार प्रशासन के अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंच गए और छात्र छात्राओं से कहा धरना समाप्त कर दो नहीं तो हम दोबारा तुम्हारे पास वार्ता करने के लिए नहीं आएंगे। लेकिन नाराज आक्रोशित छात्र छात्र–छात्राएं उनकी एक भी बात मानने को तैयार नहीं हुए और देर शाम तक धरना स्थल पर डटे रहे। बता दें कि कृषि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं द्वारा छात्रवृत्ति के लिए विश्वविद्यालय के सभी छात्र– छात्राओं द्वारा समस्त आवश्यक दस्तावेज विश्वविद्यालय में जमा किया गया था। उसके बावजूद भी विश्वविद्यालय के समाज कल्याण संकाय के अधिकारियों द्वारा समय से सत्यापित न किए जाने के कारण सभी आवेदन पत्र राज्य स्तरीय समाज कल्याण विभाग से निरस्त कर दिए गए। जिसके कारण सभी छात्र–छात्राओं की छात्रवृत्ति रोक दी गई है। विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं का कहना है कि स्कॉलरशिप के कुल 1634 छात्र छात्राएं शामिल है। जिनमें से अनुसूचित जाति व जनजाति के छात्रों को लगभग 90 हजार स्कॉलरशिप प्राप्त होती है। अगर छात्रों को स्कॉलरशिप प्राप्त नहीं हुई तो छात्र अपनी अग्रिम वार्षिक शुल्क जमा करने में असमर्थ होंगे। साथ ही छात्रों ने यह भी बताया कि विश्व विद्यालय प्रशासन ने खुद इस गलती को स्वीकार किया है। आंदोलित छात्रों का आरोप है कि उनके साथ लगातार इस तरह से प्रशासन अपनी मनमानी करता आ रहा है। छात्रों का यह भी कहना है कि यदि हम लोगों की छात्रवृत्ति नहीं आती है तो ऐसी दशा में विश्वविद्यालय प्रशासन एवं प्रदेश सरकार द्वारा सभी छात्रों की फीस को जमा किया जाए।

धूमधाम के साथ निकली साईं बाबा की पालकी यात्रा

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) श्री साईं मंदिर से गुरुवार को मंदिर की स्थापना दिवस के अवसर पर भव्य साईं बाबा की विशाल शोभायात्रा शहर में धूमधाम के साथ निकाली गई। जिसमें भारी संख्या में भक्तों के साथ महिलाएं बच्चे और विशिष्ट लोग सम्मिलित रहे। यात्रा का शुभारम्भ क्षेत्राधिकारी नगर शैलेश सिंह ने किया। हर वर्षों की भांति इस वर्ष भी शहर में साई बाबा की पालकी यात्रा भव्य रुप से धूमधाम नगर भ्रमण कराया गया। गाजे–बजे के साथ पीले वस्त्र में भारी संख्या में श्रद्धालु भक्ति भाव में यात्रा में सम्मिलित रहे । यात्रा श्री साईं मंदिर से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्ग सदर तहसील होते हुए सिविल लाइन चौकी से मुड़कर हनुमानगढ़ी रिकाबगंज, चौक पथ पर चौराहा से मुड़कर उसी रास्ते रिकाबगंज हनुमानगढ़ी पुष्पराज चौराहा स्टेट बैंक होते हुए श्री साईं मंदिर प्रांगण में समाप्त हुई । इस यात्रा में मंदिर के पुजारी ऋषि साईं , वरिष्ठ पत्रकार अजय कुमार ,कृष्णा साईं, अभिषेक पांडेय, पवन पांडेय, आदर्श मिश्रा सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु भक्तजन उपस्थित रहे। मंदिर प्रांगण में दुकान लगाए फूलमली सहित सभी दुकानदार भक्ति भाव में यात्रा के साथ सम्मिलित हुए।

विधायक ने नगर पंचायत क्षेत्र में 15 सड़कों का किया शिलान्यास

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।सोहावल–अयोध्या। नगर पंचायत खिरौनी/ सुचितागंज में मुख्यमंत्री सृजन योजना से नगर पंचायत क्षेत्र में 15 सड़कों पर इंटरलॉकिंग और एक कल्याण मंडप का शिलान्यास बीकापुर विधान सभा से विधायक डॉ0 अमित सिंह चौहान ने किया स शिलान्यास के दौरान अपने संबोधन में विधायक श्री चौहान ने कहा कि केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार और उत्तर प्रदेश में योगी सरकार किसानों नौजवानों दलितों असहाय को एक साथ लेकर चल रही है स सबका साथ सबका विश्वास और सबका विकास यही नारा उत्तर प्रदेश सरकार का है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का कार्य बहुत ही तेजी से चल रहा है। सरकार राम भक्तों को राम मंदिर तैयार कर सौगात देगी । जिसमें सभी लोग भगवान का दर्शन कर पाएंगे और अयोध्या में इस समय अनेक परियोजनाएं चल रही हैं। चाहे 14 कोसी परिक्रमा मार्ग या अन्य विकास योजनाएं पूरी तरह धरातल पर दिखाई पड़ने लगी है स किसानों के रबी की फसलों के दाम बढ़ाकर सरकार ने किसान हित में काम किया है स नगर पंचायत क्षेत्र में 15 नई आरसीसी रोड का शिलान्यास किया गया है। बहुत जल्द ही निर्माण शुरू कर दिया जायेगा स संजय गंज मार्ग पर खिरौनी के पास कल्याण मंडप का निर्माण कार्य बहुत जल्द शुरू कर दिया जाएगा स इस मंडप के निर्माण में 3 करोड़ 25 लाख की लागत से बनाया जायेगा स कार्यदाई संस्था जल्द ही इस पर अपना काम शुरू कर देगी स इस अवसर पर सूर्य प्रसाद श्रीवास्तव नंद कुमार सिंह राम अवतार यादव नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी रणविजय सिंह विशाल सिंह कृष्णा सिंह शिवेंद्र प्रताप सिंह सहित नगर पंचायत कर्मचारी सहित स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

चौराहों को गोद लेकर सजाने में अपना योगदान दें उद्यमी –मण्डलायुक्त गौरव दयाल

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। मण्डलायुक्त गौरव दयाल की अध्यक्षता में औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति व उत्तर प्रदेश सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन नीति के क्रियान्वयन हेतु देय सुविधाओं की पात्रता हेतु लेटर आफ कम्फर्ट जारी करने हेतु गठित स्वीकृति समिति व मण्डलीय उद्योग बन्धु की बैठक आयुक्त सभागार में आहुत की गयी। मण्डलायुक्त ने गत बैठक में लिये गये निर्णयों के अनुपालन की एक–एक बिन्दु के प्रगति की बिन्दुवार समीक्षा की। उन्होंने पूर्व बैठक के एजेंडे की कृत कार्यवाही की जानकारी सम्बंधित अधिकारियों से ली। मण्डलायुक्त ने समर बहादुर पुत्र गया प्रसाद के प्रकरण में यू0पी0 सीडा द्वारा आवंटित भूमि के विवाद के सम्बंध में उन्होंने कहा कि प्रकरण का निस्तारण अगली बैठक से पूर्व हरहालत में कर लिया जाय। मण्डलायुक्त ने संयुक्त आयुक्त उद्योग को निर्देशित किया कि मण्डलीय उद्योग बन्धु फोरम पर प्राप्त शिकायतों में फालोअप बैठक प्रत्येक 15 दिवस में करें तथा प्रगति से अवगत भी करायें। उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी उद्यमियों से एक–एक कर उनकी समस्याओं को जाना तथा सम्बंधित अधिकारियों को उद्यमियों की समस्याओं का निस्तारण करने के निर्देश दिया। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा–स्वारोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद योजना, निवेश मित्रा, की प्रगति की समीक्षा की गयी। उक्त बैठक में समिति द्वारा एलओसी निर्गत किये जानेध प्रथम चरण हेतु मे0 जी0टी0 कृषक एल0एल0पी0 नवाबगंज बाराबंकी, मे0 अमरधन स्पेशिलिटी फीड्स एल0एल0पी0 जे0 तथा मे0 सोनागोल्ड एग्रोकेम प्रा0लि0 कुर्सी रोड बाराबंकी के सम्बंध में चर्चा की गयी तथा इन सभी इकाईयों के प्रतिनिधियां से प्रक्रिया में आ रही समस्याओं आदि के सम्बंध में फीडबैक भी लिया। अन्त में मण्डलायुक्त ने सभी उद्यमियों से अपील किया कि वर्तमान सरकार द्वारा अयोध्या को एक विश्व स्तरीय पर्यटन नगरी के रूप में विकसित किया जा रहा है। सभी उद्यमी अयोध्या के चौराहों को गोद लेकर उनको सजाने में अपना अहम योगदान दे सकते है। बैठक का संचालन संयुक्त आयुक्त उद्योग श्री एच0पी0 सिंह द्वारा किया गया। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) अयोध्या महेन्द्र कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित सिंह, एसडीएम मिल्कीपुर, एसडीएम रूदौली, ज्वाइंड कमिश्नर वाणिज्यकर, उपश्रमायुक्त, एलडीएम बाराबंकी आदि सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों व अन्य उद्यमीगण उपस्थित थे।

कब्जेदारी को लेकर हनुमानगढ़ी के नागा साधु व व्यापारियों में मारपीट

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या राम पथ निर्माण के लिए तोड़ी गई दुकानों पर कब्जेदारी को लेकर हनुमानगढ़ी के कुछ साधु और व्यापारियों के बीच विवाद हो गया। व्यापारियों का आरोप है कि दुकान पर कब्जा करने के लिए हनुमानगढ़ी बसंतिया पट्टी के महंत राम चरण दास और उनके साथ 25 नागा ने दुकान पर आकर लूटपाट करते हुए व्यापारियों के साथ मारपीट की है। अयोध्या कोतवाली के सब्जी मंडी चौराहे पर अचानक कुछ नागा साधु दुकान को खाली कराए जाने के लिए पहुंच गए। जहां व्यापारी धर्मेंद्र गुप्ता के साथ विवाद हो गया और एक दूसरे के बीच मारपीट भी हुई। घटना होते ही बड़ी संख्या में व्यापारी मौके पर पहुंचे तो सभी नागा साधु वहां से चले गए, लेकिन नाराज व्यापारी अयोध्या कोतवाली पहुंच गए और हनुमानगढ़ी के गौरी शंकर दास, सुखदेव दास, रवि नागा, धनुषधारी और हनुमानगढ़ी के मुख्तार अमरनाथ कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के लिए तहरीर दी। अयोध्या कोतवाल मनोज कुमार ने बताया कि व्यापारियों की तहरीर पर एफआईआर दर्ज की गई है। दूसरे पक्ष के द्वारा भी कुछ व्यापारियों के खिलाफ हनुमानगढ़ी के संपत्ति पर जबरन कब्जा करने को लेकर तहरीर दी गई है।

पंचांग पूजन एवं ब्राह्मण बटुको का प्रायश्चित कर्म का कार्यक्रम संपन्न

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) अखिल भारतीय चाणक्य परिषद एवं श्री श्री परशुराम सेवा ट्रस्ट के राष्ट्रीय संरक्षक अध्यक्ष पंडित कृपा निधान तिवारी ने सूर्य कुंड दर्शन नगर पर पंचांग पूजन एवं ब्राह्मण बटुको के प्रायश्चित कर्म का कार्यक्रम सनातन धर्म के रीति रिवाज से विधि विधान से राष्ट्रपति से पुरस्कृत आचार्य पंडित डॉक्टर राम तेज पांडे आचार्य श्री नारायण झा वैदिक विजय वहादुर पान्डेय पंडित शिवकरण मिश्रा द्वारा विधि विधान से संपन्न कराया गया। इसमें 16 वर्ष से अधिक उम्र के ब्राह्मण बटुको सात्विक मिश्रा अजय मिश्रा रामनरेश मिश्रा अनुराग मिश्रा अवनीश मिश्रा जयशंकर मिश्रा गोविंद कुमार दुबे को प्रायश्चित कर्म के आधार पर संस्कारित करके यगोपवीत संस्कार के लिए तैयार किया गया। इनका यज्ञोपवीत संस्कार 17 मार्च को 8:00 से 2:00 तक संपन्न होगा और इसके बाद इसी स्थान पर चाणक्य परिषद का होली मिलन एवं कवि सम्मेलन 2:00 बजे दिन से न5:00 तक होगा ।यह संस्कार कार्यक्रम हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़े धूमधाम से अखिल भारतीय चाणक्य परिषद के तत्वावधान में सूर्य कुंड दर्शन नगर में मनाया गया।

सम्पादक मंडल

श्री शिवशंकर द्विवेदी संयुक्त सचिव (सेवा निवृत्त) उ0प्र0 शासन, लखनऊ, पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी

प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना" पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0

लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक

श्रीमती हेमा त्रिपाठी

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/**R-1**

deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।